DIGITAL RESOURCE CENTRE (DRC)

CENTRAL LIBRARY

PRESS CLIPPINGS

1-29February

2024

CONTENT

S No	Title	Author	Newspaper	Page No.	Date of Publication
1.	आईएफटीएम की शिक्षिका डॉक्टर भूपेंद्र कौर की पुस्तक का हुआ विमोचन		युगबंधू समाचार	8	28 FEB
2.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में प्रतियोगी परीक्षाओं में करियर और अवसर विषय पर आयोजित हुई कार्यशाला		विधान केसरी	9	28 FEB
3.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय की शिक्षिका डॉ भूपेंद्र कौर की पुस्तक का हुआ विमोचन		विधान केसरी	10	28 FEB
4.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में कैरियर निर्माण में संचार का महत्व विषय पर अतिथि व्याख्यान का हुआ आयोजन		विधान केसरी	11	28 FEB
5.	मध्याह भोजन पर लिखी डॉक्टर भूपेंद्र कौर की पुस्तक का हुआ विमोचन		दैनिक जागरण	12	28 FEB
6.	डॉ भूपेंद्र कौर की पुस्तक का हुआ विमोचन एवं सुनहरे भविष्य को सही करियर का करे चुनाव		हिंदुस्तान	13	28 FEB
7.	डॉ भूपेंद्र कौर की पुस्तक का हुआ विमोचन		अमर उजाला	14	28 FEB
8.	विज्ञान और तकनीकी क्षेत्र में नवाचार पर ध्यान देने का किया आवाहन		अमर उजाला	15	27 FEB
9.	आईएफटीएम में 'करंट रिसर्च एंड इनोवेशन ट्रेंड्स इन साइंस एंड		शाह टाइम्स	16	27 FEB

	टेक्नोलॉजी विषय' पर शुरु हुआ फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम				
10.	छात्रों को नवाचार पर ध्यान देना जरूरी एवं इनोवेशन व डिजाइन थिंकिंग को लेकर दी गई जानकारी		हिंदुस्तान	17	27 FEB
11.	आईएफटीएम में 'डिजाइन थिंकिंग, क्रिटिकल थिंकिंग और इनोवेशन डिजाइन 'विषय पर आयोजित हुआ दो दिवसीय सेमिनार		शाह टाइम्स	18	27 FEB
12.	आईएफटीएम में करंट रिसर्च एंड इनोवेशन ट्रेंड्स इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी विषय पर शुरू हुआ फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम		विधान केसरी	19	27 FEB
13.	आईएफटीएम में डिजाइन ,थिंकिंग क्रिटिकल थिंकिंग और इनोवेशन डिजाइन विषय पर आयोजित किया दो दिवसीय सेमिनार		विधान केसरी	20	27 FEB
14.	आईएफटीएम में एंटरप्रेन्योरशिप स्किल एप्टीट्यूड एंड बिहेवियर डेवलपमेंट विषय पर आयोजित हुई कार्यशाला		शाह टाइम ब्यूरो	21	26 FEB
15.	आईएफटीएम में एंटरप्रेन्योरशिप स्किल एप्टीट्यूड एंड बिहेवियर डेवलपमेंट विषय पर आयोजित हुई कार्यशाला		विधान केसरी	22	26 FEB
16.	उद्यमिता कौशल विकसित होने से मिलेंगे रोजगार के मौके एवं शोध में बनी रहनी चाहिए शुचिता प्रोफेसर संजीव		हिंदुस्तान	23	26 FEB
17.	उद्यमिता व कौशल विकास से मिलेंगे रोजगार के अवसर : संजीव		अमर उजाला	24	26 FEB
18.	आईटीएम विश्वविद्यालय के तीन विद्यार्थी इंटर्नशिप के लिए जाएंगे		युग बंधु समाचार	25	25 FEB

	स्वीडन				
19.	आईएफटीएम के तीन छात्र इंटरनलशिप के लिए जाएंगे स्वीडन		अमर उजाला	26	25 FEB
20.	तीन छात्र इंटरनलशिप के लिए जाएंगे स्वीडन		हिंदुस्तान	27	25 FEB
21.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय के तीन विद्यार्थी इंटर्नशिप के लिए जाएंगे स्वीडन		शाह टाइम्सब्यूरो	28	25 FEB
22.	सत्र में मुख्य वक्ता ने छात्रों को किया संबोधित		हिंदुस्तान	29	24 FEB
23.	ड्रिलब्रिट एंटीप्लेगिरिज्म वेबटूल फॉर एकेडमिक राइटिंग स्किल्स एंड ओवरव्यू विषय पर एक वेबीनार का आयोजन किया गया		विधान केसरी	30	24 FEB
24.	आईएफटीएम में ड्रिलबिट एंटीप्लेगिरिज्म वेबटूल फॉर एकेडमिक राइटिंग स्किल्स एंड ओवर व्यू विषय पर वेबीनार का आयोजन		शाह टाइम्स	31	24 FEB
25.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हुआ विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन		विधान केसरी	32	22 FEB
26.	पुस्तक का हुआ विमोचन		विधान केसरी	33	22 FEB
27.	विशेष वार्ता में विनिर्माण प्रक्रियाओं के विकास की दी जानकारी		अमर उजाला	34	22 FEB
28.	दो शिक्षकों की पुस्तकों का विमोचन		दैनिक जागरण	35	22 FEB
29.	डॉ मेघा ,डॉ गर्ग की पुस्तक का विमोचन एवं आईएफटीएम में विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन		हिंदुस्तान	36	22 FEB

30.	आईएफटीएम में विश्वविद्यालय के शिक्षिका डॉ मेघा भाटिया और डॉ आरती गर्ग की पुस्तक का हुआ विमोचन		शाह टाइम्सब्यूरो	37	22 FEB
31.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हुआ विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन		विधान केसरी	38	22 FEB
32.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हुआ विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन		युग बंधु समाचार	39	22 FEB
33.	आईएफटीएम में विश्वविद्यालय के शिक्षिका डॉ मेघा भाटिया और डॉ आरती गर्ग की पुस्तक का हुआ विमोचन		युग बंधु समाचार	40	22 FEB
34.	आईएफटीएम में समस्या समाधान फिट और उत्पाद बाजार फिट हासिल करना विषय पर हुआ सत्र का आयोजन		विधान केसरी	41	22 FEB
35.	आईएफटीएम में एनालिसिस ऑफ प्रोटीन विषय पर हुआ सेमिनार		विधान केसरी	42	22 FEB
36.	आईएफटीएम में 'समस्या समाधान फिट का उत्पादन बाजार फिट हासिल करना' विषय पर हुआ सत्र का आयोजन		शाह टाइम्सब्यूरो	43	22 FEB
37.	आईएफटीएम में साइबर सुरक्षा पर शुरू हुआ प्रशिक्षण कार्यक्रम		विधान केसरी	44	20 FEB
38.	दीक्षांत समारोह में 53 को पीएचडी ,77 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक		दैनिक जागरण	45	15 FEB
39.	नौकरी पाना अच्छी बात,देने वाले भी		अमर उजाला	46	15 FEB

	बने युवा: प्रोफेसर जोशी				
40.	'युवा वर्तमान से रच सकते हैं सुनहरा भविष्य		हिंदुस्तान	47	15 FEB
41.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हुआ अष्टम दीक्षांत समारोह 2024 का आयोजन		शाह टाइम्स ब्यूरो	48	15 FEB
42.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हुआ अष्टम दीक्षांत समारोह 2024 का आयोजन		युगबंधूसमाचार	49	15 FEB
43.	राष्ट्र निर्माण में करे शिक्षा का प्रयोग: प्रोफेसर जोशी		विधान केसरी	50	15 FEB
44.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हुआ अष्टम दीक्षांत समारोह 2024 का आयोजन		हुकूमत एक्सप्रेस मुरादाबाद	51	15 FEB
45.	विद्यार्थी अपनी शिक्षा का उपयोग विकसित राष्ट्र की संरचना के लिए करें प्रोफेसर प्रदीप कुमार जोशी		उत्तर केसरी	52	15 FEB
46.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हुआ अष्टम दीक्षांत समारोह 2024		विधान केसरी	53	15 FEB
47.	आईएफटीएम का दीक्षांत समारोह आज		हिंदुस्तान	54	15 FEB
48.	आईएफटीएम विश्वविद्यालयका अष्टम दीक्षा समारोह पूर्वाह्न 11:30 बजे		दैनिक जागरण	55	14 FEB
49.	राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी के अध्यक्ष व संघ लोक सेवा आयोग नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ प्रदीप कुमार जोशी का आईएफटीएम विश्वविद्यालय परिसर में आगमन		युगबंधूसमाचार	56	14 FEB
50.	आईएफटीएम में स्पर्श लेप्रोसी		शाह टाइम्स	57	13 FEB

	अवेयरनेस कैंपेन विषय पर आयोजित हुआ सेमिनार		ब्यूरो		
51.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ रक्तदान शिविर		शाह टाइम्स ब्यूरो	58	13 FEB
52.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ रक्तदान शिविर		युग बंधु समाचार	59	13 FEB
53.	आईएफटीएम में स्पर्श लेप्रोसी अवेयरनेस कैंपेन विषय पर आयोजित हुआ सेमिनार		युगबंधूसमाचार	60	13 FEB
54.	चांसलर राजीव कोठीवाल ने 51000 का चेक देकर किया सम्मानित		विधान केसरी	61	12 FEB
55.	आईएफटीएम की पूर्व छात्र कीर्ति सागर बनी डिप्टी जेलर		अमर उजाला	62	12 FEB
56.	डिप्टी जेलर पद पर चयनित कीर्ति सागर को किया सम्मानित		दैनिकजागरण	63	12 FEB
57.	आईएफटीएम की पूर्व छात्र कीर्ति सागर बनी डिप्टी जेलर		शाह टाइम्स ब्यूरो	64	10 FEB
58.	आईएफटीएम की पूर्व छात्रा बनी डिप्टी जेलर		हिंदुस्तान	65	10 FEB
59.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय की पूर्व छात्र कीर्ति सागर बानी डिप्टी जेलर		युगबन्धुसमाचार	66	10 FEB
60.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हुआ राज्य स्तरीय कृषक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन		युगबन्धुसमाचार	67	9 FEB
61.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हुआ राज्य स्तरीय कृषक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन		शाह टाइम्स ब्यूरो	68	9 FEB
62.	गेहूं की उन्नत फसलों के बारे में दी जानकारी		हिंदुस्तान	69	9 FEB

28 FEB

आईएफटीएम की शिक्षिका डॉ. भूपेंद्र कौर की पुस्तक का हुआ विमोचन

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय की शिक्षिका डॉ. भूपेंद्र कौर की लिखी पुस्तक ''मध्यान्ह भोजन योजना'' का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय के कर-कमलों

द्वारा विमोचन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. पाण्डेय ने डॉ. कौर की इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई दी है। उन्होंने यह भी कहा कि यह पुस्तक शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों के लिए बेहद उपयोगी सिद्ध होगी। इस मौके पर उपस्थित कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने डॉ. कौर की लिखी पुस्तक की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पुस्तक शिक्षा से जुड़े लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। प्रतिकुलपति- एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति- अकेडमिक एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी एवं प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा ने डॉ. कौर का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पुस्तक लेखन में और शिक्षकों को भी आगे आना चाहिए। स्कूल ऑफ सोशल साईसेज की निदेशिका प्रो. राजकुमारी सिंह ने डॉ. कौर को बधाई देते हुए कहा कि पुस्तकें मार्गदर्शन का काम करती हैं, साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि डॉ. कौर द्वारा लिखित यह पुस्तक नए शिक्षकों को भी पुस्तक लेखन हेतु अवश्य प्रेरित करेगी।

डॉ. कौर ने बताया कि इस पुस्तक का प्रकाशन आजमगढ़, उत्तर प्रदेश के कालिंदी प्रकाशन ने किया है। 695 रुपए मूल्य वाली इस पुस्तक में 5 अध्याय हैं, जिनमें एजुकेशन और प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं को सारगर्भित तरीके से वर्णित किया गया है। उन्होंने बताया की यह पुस्तक बिक्री के लिए देश के विभिन्न बुक स्टालों के अलावा अमेजन, फ्लिपकार्ट पर भी उपलब्ध रहेगी। डॉ. कौर का 14 वर्ष का अध्यापन के क्षेत्र में लंबा अनुभव होने के साथ ही उनके अनेक शोध-पत्र राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जर्नल्स में प्रका. शित हो चुके हैं। डॉ. कौर 30 से अधिक राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला व संगोष्ठियों में प्रतिभाग कर चुकी हैं। वर्तमान में डॉ. कौर के निर्देशन में छः शोधार्थी शोध कर रहे हैं। डॉ. कौर की इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के अधिकारियों,विभिन्न स्कूलों निद. शकों एवं शिक्षकों ने भी उन्हें बधाई दी है।

28 FEB

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में प्रतियोगी परीक्षाओं में करियर और अवसर विषय पर आयोजित हुई कार्यशाला

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ की ओर से प्रतियोगी परीक्षाओं में करियर और अवसर विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यह भी कहा कि अपने सुनहरे भविष्य को आकार देने के लिए सही करियर का चुनाव करना अत्यंत जरूरी होता है। कार्यशाला के मुख्य वक्ता व लॉ विद्या डॉट कॉम के सह संस्थापक श्री मोहित यादव ने विधि विद्यार्थियों को जुडिशल सर्विसेज एवं प्रयोगात्मक पहलुओं में आने वाली चुनौतियां तथा विधिक महत्ताओं पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों के साथ नए-नए लिटिगेशन विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। इसके अतिरिक्त मुख्य वक्ता श्री यादव ने विधि के क्षेत्र में विभिन्न सर्टिफिकेट कोर्सेज की महत्ता पर भी प्रकाश डाला। इस मौके पर कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ लॉ के निदेशक प्रोफेसर डॉ. एस.बी. मिश्रा द्वारा सभी अतिथियों को पुष्पगुच्छ व स्मृति-चिन्ह भेंट देकर सम्मानित किया गया। प्रो. मिश्रा ने विधि के नए आयामों के प्रति विद्यार्थियों को सजग रहने एवं नई चुनौतियों के लिए सदैव तत्पर रहने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आयोजन सचिव व असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. उपेंद्र ग्रेवाल का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस दौरान विधि विभाग के सभी शिक्षक उपस्थित रहे। अंत में कार्यक्रम के संयोजक व स्कूल ऑफ लॉ के विभागाध्यक्ष डॉ. योगेंद्र सिंह ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यशाला में स्कूल ऑफ लॉ के विभिन्न पाठ्यक्रमों के 50 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

28 FEB

आईएफटीएम विश्वविद्यालय की शिक्षिका डॉ. भूपेंद्र कौर की पुस्तक का हुआ विमोचन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय की शिक्षिका डॉ. भूपेंद्र कौर की लिखी पुस्तक मध्यान्ह भोजन योजना का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय के कर-कमलों द्वारा विमोचन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. पाण्डेय ने डॉ. कौर की इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई दी है। उन्होंने यह भी कहा कि यह पुस्तक शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों के लिए बेहद उपयोगी सिद्ध होगी। इस मौके पर उपस्थित कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने डॉ. कौर की लिखी पुस्तक की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पुस्तक शिक्षा से जुड़े लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। प्रतिकुलपति-एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति- अकेडमिक एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी एवं प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा ने डॉ. कौर का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पुस्तक लेखन में और शिक्षकों को भी आगे आना चाहिए। स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज की निदेशिका प्रो. राजकुमारी सिंह ने डॉ. कौर को बधाई देते हुए कहा कि पुस्तकें मार्गदर्शन का काम करती हैं, साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि डॉ. कौर द्वारा लिखित यह पुस्तक नए शिक्षकों को भी पुस्तक लेखन हेतु अवश्य प्रेरित करेगी।

डॉ. कौर ने बताया कि इस पुस्तक का प्रकाशन आजमगढ़, उत्तर प्रदेश के कालिंदी प्रकाशन ने किया है। 695 रुपए मूल्य वाली इस पुस्तक में 5 अध्याय हैं, जिनमें एजुकेशन और प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं को सारगर्भित तरीके से वर्णित किया गया है। उन्होंने बताया की यह पुस्तक बिक्री के लिए देश के विभिन्न बुक स्टालों के अलावा अमेजन, फ्लिपकार्ट पर भी उपलब्ध रहेगी। डॉ. कौर का 14 वर्ष का अध्यापन के क्षेत्र में लंबा अनुभव होने के साथ ही उनके अनेक शोध-पत्र राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं। डॉ. कौर 30 से अधिक राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला व संगोष्ठियों में प्रतिभाग कर चुकी हैं। वर्तमान में डॉ. कौर के निर्देशन में छः शोधार्थी शोध कर रहे हैं। डॉ. कौर की इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के अधिकारियों,विभिन्न स्कूलों निदेशकों एवं शिक्षकों ने भी उन्हें बधाई दी है।

28 FEB

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में करियर निर्माण में संचार का महत्व विषय पर अतिथि व्याख्यान का हुआ आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आईएफटीएम यूनिवर्सिटी एल्युमिनाई एसोसिएशन (आईयूएए) और स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज के संयुक्त तत्वाधान में करियर निर्माण में संचार का महत्व विषय पर एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान का शुभारंभ कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, कार्यक्रम की अध्यक्षा व स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज की निदेशका प्रो. राजकुमारी सिंह और एमिनेंट स्पीकर सुश्री अंशिका अरोड़ा ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. अग्रवाल ने आयोजन समिति के सभी सदस्यों को व्याख्यान के सफल आयोजन हेतु अपनी शुभकामनाएं दीं। आईएफटीएम विश्वविद्यालय से एमए- जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन के 2023-24 बैच की पास आउट पूर्व छात्रा व वर्तमान में चंदौसी के श्री कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत सुश्री अंशिका अरोड़ा ने बतौर एमिनेंट स्पीकर कहा कि सशक्त संचार से करियर निर्माण में बड़ा बदलाव किया जा सकता है। सुश्री अरोड़ा ने कहा कि प्रोफेशनल कम्युनिकेटर के रूप में रोजगार के अनेक अवसर युवाओं को मिल रहे हैं। सुश्री अरोड़ा ने संचार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे मानव जीवन का अभिन्न अंग बताया। उन्होंने यह भी कहा कि बिना संचार के एक व्यक्ति न केवल अपने करियर में, बल्कि अपने रोजमर्रा के कार्यों को भी कर पाने में सक्षम नहीं हो सकता।

28 FEB

दैनिक जागरण मुरादाबाद, 28 फरवरी, 2024

आइएफटीएम विश्वविद्यालय में डा.भूपेंद्र कौर की मध्याह्न भोजन योजना पर लिखी पुस्तक का मगलवार को विमोचन करते शिक्षाविद • सौ. विश्वविद्यालय

मध्याह्न भोजन पर लिखी डा. भूपेंद्र कौर की पुस्तक का हुआ विमोचन

जासं, मुरादाबाद: आइएफटीएम विश्वविद्यालय की डा. भूपेंद्र कौर की लिखी पुस्तक मध्याह्न भोजन योजना का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पांडे ने विमोचन किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. पांडे ने डा. कौर की इस उपलब्धि के लिए कहा कि यह पुस्तक शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। इस मौके पर कुलसचिव प्रो.संजीव अग्रवाल ने डा. भूपेंद्र कौर की लिखी पुस्तक को सराहा। प्रतिकुलपति- एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति- अकेडमिक एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी एवं प्रतिकुलपति रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा ने कहा कि पुस्तक लेखन में और शिक्षकों को भी आगे आना चाहिए। स्कूल आफ सोशल साइंसेज की निदेशिका प्रो. राजकुमारी सिंह समेत अन्य शिक्षकों ने भी उत्साहवर्धन किया।

प्रतियोगी परीक्षाओं में करियर व अवसर पर हुई कार्यशाला

मुरादाबाद : आइएफटीएम विवि के स्कूल आफ ला की ओर से प्रतियोगी परीक्षाओं में करियर और अवसर विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहा कि सही करियर का चुनाव करना जरूरी है। कार्यशाला के मुख्य वक्ता व ला विद्या डाट काम के सह संस्थापक मोहित यादव ने विधि विद्यार्थियों को न्यायिक सेवा एवं प्रयोगात्मक पहलुओं में आने वाली चुनौतियां तथा विधिक महत्ताओं पर प्रकाश डाला। अध्यक्ष व स्कूल आफ ला के निदेशक प्रो. डा. एसबी मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत किया। वि.

28 FEB

हिन्दुस्तान
मुरादाबाद, बुधवार, 28 फरवरी 2024 04

आईएफटीएम की शिक्षक डॉ. भूपेंद्र कौर की पुस्तक का विमोचन किया गया।

डॉ. भूपेंद्र कौर की पुस्तक का हुआ विमोचन

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय की शिक्षिका डॉ. भूपेंद्र कौर की पुस्तक 'मध्याह्न भोजन योजना' का कुलपति प्रो. महेंद्र प्रसाद पांडेय ने विमोचन किया। कुलपति प्रो. पांडेय ने डॉ. कौर की इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई दी। यह भी कहा कि यह पुस्तक शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों के लिए बेहद उपयोगी सिद्ध होगी। कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने पुस्तक की प्रशंसा की।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में मौजूद अतिथि।

'सुनहरे भविष्य को सही करियर का करें चुनाव'

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 'प्रतियोगी परीक्षाओं में करियर और अवसर' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहा कि सुनहरे भविष्य को आकार देने के लिए सही करियर का चुनाव करना अत्यंत जरूरी होता है। मुख्य वक्ता मोहित यादव ने प्रयोगात्मक पहलुओं में आने वाली चुनौतियां की जानकारी दी। निदेशक प्रो. डॉ. एसबी मिश्रा, डॉ. योगेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

28 FEB

अमर उजाला | मुरादाबाद | बुधवार, 28 फरवरी 2024 | 6

डॉ. भूपेंद्र कौर की पुस्तक का हुआ विमोचन

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय की शिक्षिका डॉ. भूपेंद्र कौर की लिखी पुस्तक मध्याह्न भोजन योजना का कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पांडेय के द्वारा विमोचन किया गया। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों के लिए बेहद उपयोगी सिद्ध होगी।

कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहा कि यह पुस्तक शिक्षा से जुड़े लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी होगी। प्रतिकुलपति-एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति-अकेडमिक एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी एवं प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा ने कहा कि पुस्तक लेखन में और शिक्षकों को भी आगे आना चाहिए।

पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में मौजूद अतिथि। संवाद

निदेशिका प्रो. राजकुमारी सिंह ने कहा कि पुस्तकें मार्गदर्शन का काम करती हैं। ब्यूरो

27 FEB

अमर उजाला
amarujala.com
मुरादाबाद | मंगलवार, 27 फरवरी 2024
8

विज्ञान और तकनीकी क्षेत्र में नवाचार पर ध्यान देने का किया आह्वान

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद लोग। स्रोत : कॉलेज

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ साइंसेज की ओर से करंट रिसर्च एंड इनोवेशन ट्रेंड्स इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी विषय पर फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) हुआ।

कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, प्रतिकुलपति-एकेडेमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी, हिंदू कॉलेज के फिजिक्स विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर व मुख्य वक्ता डॉ. महेन्द्र सिंह चौहान, स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक व एफडीपी के अध्यक्ष प्रो. बीके सिंह ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों की पहचान वहां हो रहे अनुसंधानों से होती है।

विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में सिर्फ पठन-पाठन तक सीमित रहने की बजाय विश्व में हो रहे नवाचारों पर भी ध्यान देना जरूरी है। मुख्य वक्ता डॉ. महेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि कक्षा में मेधावी, मध्यम और औसत श्रेणी के विद्यार्थी होते हैं, शोध व अन्य बड़े कार्यों को अमली जामा पहनाने में मध्यम श्रेणी के विद्यार्थियों का योगदान अधिक होता है। डॉ. अशोक कुमार, डॉ. नरेंद्र सिंह, प्रो. वीपी पांडेय, डॉ. रिद्धि आदि रहीं। ब्यूरो

27 FEB

आईएफटीएम में 'करंट रिसर्च एंड इनोवेशन ट्रेंड्स इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी' विषय पर शुरू हुआ फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ साइंसेज की ओर से ''करंट रिसर्च एंड इनोवेशन ट्रेंड्स इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी'' विषय पर फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का शुभारंभ किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, प्रतिकुलपति-एकेडेमिक्स एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी, मुरादाबाद के हिंदू कॉलेज के फिजिक्स विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर व मुख्य वक्ता डॉ. महेन्द्र सिंह चौहान तथा स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक व एफडीपी के अध्यक्ष प्रो. बी.के. सिंह ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्पण कर एफडीपी का शुभारम्भ किया।

इस अवसर पर कार्यप्रम के सह संरक्षक व विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों की पहचान वहां हो रहे अनुसंधानों से होती है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि साइंस एंड टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सिर्फ पठन-पाठन तक सीमित रहने की बजाय विश्व में हो रहे नवाचारों पर भी ध्यान देना जरूरी है। एफडीपी के मुख्य वक्ता डॉ. चौहान ने अपने वक्तव्य में कहा कि कक्षा में मेधावी, मध्यम और औसत श्रेणी के विद्यार्थी होते हैं, लेकिन शोध व अन्य बड़े कार्यों को अमली जामा पहनाने में मध्यम श्रेणी के विद्यार्थियों का योगदान अधिक होता है। उन्होंने सौर ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित करने के विभिन्न प्रकार के डायोड के महत्व पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए एक सप्ताह तक चलने वाले इस एफडीपी के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सभी अतिथियों को बुके और प्रतीक-चिन्ह भी भेंट किए। प्रतिकुलपति प्रो. त्रिवेदी ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नया करने की अपार संभावनाएं हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अशोक कुमार ने तथा मुख्य वक्ता डॉ. चौहान का परिचय डॉ. नरेंद्र सिंह ने कराया। एफडीपी के सफल आयोजन में कार्यक्रम के सह अध्यक्ष प्रो. एस.डी. शर्मा, प्रो. वी.पी. पाण्डेय समेत स्कूल के शिक्षकों श्री दीपक शर्मा, श्री अंशुल दुबे की विशेष भूमिका रही। आयोजन सचिव डॉ. रिद्धि गर्ग ने सभी अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों के निदेशक, विभागाध्यक्ष, शिक्षक उपस्थित रहे।

27 FEB

हिन्दुस्तान
मुरादाबाद, मंगलवार, 27 फरवरी 2024 04

आईएफटीएम में सोमवार को डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया।

छात्रों को नवाचारों पर ध्यान देना जरूरी

मुरादाबाद। आईएफटीएम में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का शुभारंभ किया गया। विवि के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, प्रतिकुलपति एकेडेमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी, हिंदू कॉलेज के फिजिक्स विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर व मुख्य वक्ता डॉ. महेंद्र सिंह चौहान तथा प्रो. बीके सिंह ने शुभारंभ किया। प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहा कि नवाचारों पर ध्यान देना जरूरी है।

इनोवेशन व डिजाइन थिंकिंग को लेकर दी गई जानकारी

मुरादाबाद। आईएफटीएम विवि में 'डिजाइन थिंकिंग, क्रिटिकल थिंकिंग और इनोवेशन डिजाइन' विषय पर दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया। सेमिनार में आईबीएम स्किल बिल्ड-सीएसएसआरबॉक्स की एसोसिएट मैनेजर जोया खान ने बतौर मुख्य वक्ता इनोवेशन और डिजाइन थिंकिंग से संबंधित कांसेप्ट की जानकारी दी। स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के निदेशक प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, केके बंसल, डॉ. देवेंद्र कुमार, डॉ. अरविंद शुक्ला, डॉ. अतानु नाग, डॉ. ललित जौहरी, डॉ. अभिषेक मिश्रा, हरप्रीत चावला, डॉ. राजदीप सिंह, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. मनीष रंजन पांडे, शैली भारद्वाज आदि रहे।

27 FEB

आईएफटीएम में 'डिजाइन थिंकिंग, क्रिटिकल थिंकिंग और इनोवेशन डिजाइन' विषय पर आयोजित हुआ दो दिवसीय सेमिनार

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्व. विद्यालय में इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) तथा स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के संयुक्त तत्वावधान में ''डिजाइन थिंकिंग, क्रिटिकल थिंकिंग और इनोवेशन डिजाइन'' विषय पर दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया। इस अवसर पर विश्व. विद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु अपनी शुभकामनाएं दीं। सेमिनार में आईबीएम स्किल बिल्ड-सीएसएसआरबॉक्स की एसोसिएट मैनेजर सुश्री जोया खान ने बतौर मुख्य वक्ता इना. वेशन और डिजाइन थिंकिंग से सम्बन्धित कांसेप्ट के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। सेमिनार के दौरान मुख्य वक्ता सुश्री खान ने सीएसआरबॉक्स और विभिन्न डोमेन में आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट, सॉफ्टवेयर, ग्राफिक डिजाइनिंग और वेब डेवलपमेंट की बारीकियां सिखाने के साथ ही छात्र-छात्राओं द्वारा विषय के सम्बन्ध में जिज्ञासावश पूछे गए प्रश्नों के सन्तोषजनक उत्तर भी दिए। सुश्री खान ने यह भी बताया कि सीएसआरबॉक्स, आईएफटीएम विश्व. विद्यालय के साथ गत कई वर्षों से विद्यार्थियों के कैरियर डेवलपमेंट के लिए संयुक्त रूप से काम कर रही है। कंपनी का विकास केंद्र दिल्ली में स्थित है। सीएसआर

बॉक्स विभिन्न डोमेन में आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट, सॉफ्टवेयर, ग्राफिक डिजाइनिंग और वेब डेवलपमेंट जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण देकर ई-सर्टिफिकेट प्रदान कर रही है। इस मौके पर स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के निदेशक प्रो. राहुल कुमार मिश्रा ने डिजाइन थिंकिंग और इनोवेशन डिजाइन की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आधुनिक युग में, डिजाइन थिंकिंग, क्रिटिकल थिंकिंग और इनोवेशन डिजाइन ने नई दिशाएँ खोल दी हैं। ये तीनों प्रकार की सोच हमारे समाज में नवाचारों को जन्म देती हैं और विभिन्न क्षेत्रों में सुधार का माध्यम बनती हैं। आईआईसी के अध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार ने भी सेमिनार के आयोजन के लिए आयोजकों को आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को मुख्य वक्ता सुश्री खान द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारियों को आत्मसात् करने की सलाह दी। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक श्री के.के. बंसल ने विद्यार्थियों को कंपनी द्वारा प्रदान की जाने वाली ट्रेनिंग और सम्बन्धित सर्टिफिकेट्स के विषय में जानकारी दी। सेमिनार में कंप्यूटर साइंस विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. देवेंद्र कुमार, कंप्यूटर एप्लीकेशंस विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला, आईआईसी के संयोजक डॉ. अतानु नाग समेत समेत स्कूल के अन्य फैकल्टी मैम्बर्स डॉ. ललित जो. हरी, डॉ. अभिषेक मिश्रा, श्री हरप्रीत सिंह चावला, डॉ. राजदीप सिंह, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. मनीष रंजन पांडे, डॉ. सुश्री शैली भारद्वाज एवं डॉ. भारत भूषण अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

इस सेमिनार में स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के 140 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

27 FEB

आईएफटीएम में करंट रिसर्च एंड इनोवेशन ट्रेंड्स इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी विषय पर शुरू हुआ फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ साइंसेज की ओर से करंट रिसर्च एंड इनोवेशन ट्रेंड्स इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी विषय पर फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का शुभारंभ किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, प्रतिकुलपति-एकेडेमिक्स एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी, मुरादाबाद के हिंदू कॉलेज के फिजिक्स विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर व मुख्य वक्ता डॉ. महेन्द्र सिंह चैहान तथा स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक व एफडीपी के अध्यक्ष प्रो. बी.के. सिंह ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्पार्पण कर एफडीपी का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के सह संरक्षक व विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों की पहचान वहां हो रहे अनुसंधानों से होती है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि साइंस एंड टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सिर्फ पठन-पाठन तक सीमित रहने की बजाय विश्व में हो रहे नवाचारों पर भी ध्यान देना जरूरी है।

एफडीपी के मुख्य वक्ता डॉ. चैहान ने अपने वक्तव्य में कहा कि कक्षा में मेधावी, मध्यम और औसत श्रेणी के विद्यार्थी होते हैं, लेकिन शोध व अन्य बड़े कार्यों को अमली जामा पहनाने में मध्यम श्रेणी के विद्यार्थियों का योगदान अधिक होता है। उन्होंने सौर ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित करने के विभिन्न प्रकार के डायोड के महत्व पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए एक सप्ताह तक चलने वाले इस एफडीपी के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सभी अतिथियों को बुके और प्रतीक-चिन्ह भी भेंट किए। प्रतिकुलपति प्रो. त्रिवेदी ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नया करने की अपार संभावनाएं हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अशोक कुमार ने तथा मुख्य वक्ता डॉ. चैहान का परिचय डॉ. नरेंद्र सिंह ने कराया। एफडीपी के सफल आयोजन में कार्यक्रम के सह अध्यक्ष प्रो. एस.डी. शर्मा, प्रो. वी.पी. पाण्डेय समेत स्कूल के शिक्षकों श्री दीपक शर्मा, श्री अंशुल दुबे की विशेष भूमिका रही। आयोजन सचिव डॉ. रिद्धि गर्ग ने सभी अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों के निदेशक, विभागाध्यक्ष, शिक्षक उपस्थित रहे।

27 FEB

आईएफटीएम में डिजाइन थिंकिंग, क्रिटिकल थिंकिंग और इनोवेशन डिजाइन विषय पर आयोजित हुआ दो दिवसीय सेमिनार

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) तथा स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के संयुक्त तत्वावधान में ह्यह्यडिजाइन थिंकिंग, क्रिटिकल थिंकिंग और इनोवेशन डिजाइनह्लह्ल विषय पर दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु अपनी शुभकामनाएं दीं। सेमिनार में आईबीएम स्किल बिल्ड- सीएसएसआरबॉक्स की एसोसिएट मैनेजर सुश्री जोया खान ने बतौर मुख्य वक्ता इनोवेशन और डिजाइन थिंकिंग से सम्बन्धित कांसेप्ट के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

सेमिनार के दौरान मुख्य वक्ता सुश्री खान ने सीएसआरबॉक्स और विभिन्न डोमेन में आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट, सॉफ्टवेयर, ग्राफिक डिजाइनिंग और वेब डेवलपमेंट की बारीकियां सिखाने के साथ ही छात्र-छात्राओं द्वारा विषय के सम्बन्ध में जिज्ञासावश पूछे गए प्रश्नों के सन्तोषजनक उत्तर भी दिए। सुश्री खान ने यह भी बताया कि सीएसआरबॉक्स, आईएफटीएम विश्वविद्यालय के साथ गत कई वर्षों से विद्यार्थियों के कैरियर डेवलपमेंट के लिए संयुक्त रूप से काम कर रही है। कंपनी का विकास केंद्र दिल्ली में स्थित है। सीएसआर बॉक्स विभिन्न डोमेन में आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट, सॉफ्टवेयर, ग्राफिक डिजाइनिंग और वेब डेवलपमेंट जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण देकर ई-सर्टिफिकेट प्रदान कर रही है।

इस मौके पर स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के निदेशक प्रो. राहुल कुमार मिश्रा ने डिजाइन थिंकिंग और इनोवेशन डिजाइन की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि आधुनिक युग में, डिजाइन थिंकिंग, क्रिटिकल थिंकिंग और इनोवेशन डिजाइन ने नई दिशाएँ खोल दी हैं। ये तीनों प्रकार की सोच हमारे समाज में नवाचारों को जन्म देती हैं और विभिन्न क्षेत्रों में सुधार का माध्यम बनती हैं। आईआईसी के अध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार ने भी सेमिनार के आयोजन के लिए आयोजकों को आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को मुख्य वक्ता सुश्री खान द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारियों को आत्मसात करने की सलाह दी। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक श्री के.के. बंसल ने विद्यार्थियों को कंपनी द्वारा प्रदान की जाने वाली ट्रेनिंग और सम्बन्धित सर्टिफिकेट्स के विषय में जानकारी दी।

सेमिनार में कंप्यूटर साइंस विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. देवेंद्र कुमार, कंप्यूटर एप्लीकेशंस विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला, आईआईसी के संयोजक डॉ. अतानु नाग समेत समेत स्कूल के अन्य फैकल्टी मैम्बर्स डॉ. ललित जोहरी, डॉ. अभिषेक मिश्रा, श्री हरप्रीत सिंह चावला, डॉ. राजदीप सिंह, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. मनीष रंजन पांडे, डॉ. सुश्री शैली भारद्वाज एवं डॉ. भारत भूषण अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

इस सेमिनार में स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के 140 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

26 FEB

आईएफटीएम में 'एंटरप्रेनयोरशिप स्किल, एटीट्यूड एंड बिहेवियर डेवलपमेंट' विषय पर आयोजित हुई कार्यशाला

शाह टाइम्स, ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूशंस इना. वेशन काउंसिल (आईआईसी) तथा ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में ''एंटरप्रेनयोरशिप स्किल, एटीट्यूड एंड बिहेवियर डेवलपमेंट'' विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यशाला के सफल आयोजन हेतु अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में उद्यमिता कौशल विकसित करने से व्यापार व उद्योगों को बढ़ावा मिलने के साथ ही युवाओं को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। सेमिनार के मुख्य वक्ता एचएससी मैनेजर व ग्लोबल ट्रेनर एवं ऑडिटर श्री विकास कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि उद्यम भी एक साधना है, इसमें मेहनत, लगन और एकागता चाहिए। उन्होंने बताया कि वैश्विक विकास का मुख्य आधार ही व्यापार है, यदि अच्छा उद्योग स्थापित हो जाय तो उसमें हजारों-लाखों लोगों को रोजगार मिल सकता है। इस मौके पर आईआईसी के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने मुख्य वक्ता श्री कुमार का स्वागत करते हुए कहा कि इस कार्यशाला से विद्यार्थियों को अवश्य लाभ मिलेगा। प्रो. कुमार ने यह भी बताया कि कार्यशाला में आयोजित व्यावहारिक सत्रों में प्रतिभागी बहुत अधिक संवादात्मक दिखे तथा इस दौरान प्रतिभागियों ने विभिन्न गति. विधियों में भाग लिया। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक श्री के.के. बंसल ने कहा कि सेमिनार विद्यार्थियों के लिए एक अवसर की तरह है। इसका उन्हें पूरा लाभ उठाकर उद्यमी बनने का जरूर प्रयास करना चाहिए। आईआईसी के संयोजक डॉ. अतानु नाग ने मुख्य वक्ता श्री कुमार का परिचय देते हुए यह भी कहा कि युवाओं को उद्यमिता के प्रति जागरूक किया जाना अत्यंत आवश्यक है। डॉ. नाग ने जानकारी दी कि इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 100 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की हेड डॉ. अर्कजा सिंह, सीनियर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर श्री आशीष अग्रवाल समेत अन्य कई शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

26 FEB

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में एंटरप्रेनयोरशिप स्किल, एटीट्यूड एंड बिहेवियर डेवलपमेंट विषय पर आयोजित हुई कार्यशाला

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) तथा ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में एंटरप्रेनयोरशिप स्किल, एटीट्यूड एंड बिहेवियर डेवलपमेंट विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यशाला के सफल आयोजन हेतु अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में उद्यमिता कौशल विकसित करने से व्यापार व उद्योगों को बढ़ावा मिलने के साथ ही युवाओं को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। सेमिनार के मुख्य वक्ता एचएससी मैनेजर व ग्लोबल ट्रेनर एवं ऑडिटर श्री विकास कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि उद्यम भी एक साधना है, इसमें

मेहनत, लगन और एकाग्रता चाहिए। उन्होंने बताया कि वैश्विक विकास का मुख्य आधार ही व्यापार है, यदि अच्छा उद्योग स्थापित हो जाय तो उसमें हजारों-लाखों लोगों को रोजगार मिल सकता है। इस मौके पर आईआईसी के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने मुख्य वक्ता श्री कुमार का स्वागत करते हुए कहा कि इस कार्यशाला से विद्यार्थियों को अवश्य लाभ मिलेगा। प्रो. कुमार ने यह भी बताया कि कार्यशाला में आयोजित व्यावहारिक सत्रों में प्रतिभागी बहुत अधिक संवादात्मक दिखे तथा इस दौरान प्रतिभागियों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक श्री के.के. बंसल ने कहा कि सेमिनार विद्यार्थियों के लिए एक अवसर की तरह है। इसका उन्हें पूरा लाभ उठाकर उद्यमी बनने का जरूर प्रयास करना चाहिए।

आईआईसी के संयोजक डॉ. अतानु नाग ने मुख्य वक्ता श्री कुमार का परिचय देते हुए यह भी कहा कि युवाओं को उद्यमिता के प्रति जागरूक किया जाना अत्यंत आवश्यक है। डॉ. नाग ने जानकारी दी कि इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 100 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की हेड डॉ. अर्कजा सिंह, सीनियर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर श्री आशीष अग्रवाल समेत अन्य कई शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

26 FEB

हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com

मुरादाबाद
सोमवार
26 फरवरी 2024
04

कार्यक्रम | आईएफटीएम में 'एंटरप्रेयोरशिप स्किल, एटीट्यूड एंड बिहेवियर डेवलपमेंट' विषय पर कार्यशाला का आयोजन

उद्यमिता कौशल विकसित होने से मिलेंगे रोजगार के मौके

मुरादाबाद, वरिष्ठ संवाददाता। आईएफटीएम में इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) तथा ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में 'एंटरप्रेनयोरशिप स्किल, एटीट्यूड एंड बिहेवियर डेवलपमेंट' विषय पर कार्यशाला हुई। विवि के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहा कि विद्यार्थियों में उद्यमिता कौशल विकसित करने से व्यापार व उद्योगों को बढ़ावा मिलने के साथ ही युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। मुख्य वक्ता एचएससी मैनेजर व ग्लोबल ट्रेनर एवं ऑडिटर विकास कुमार ने कहा कि उद्यम भी एक साधना है, इसमें मेहनत, लगन और एकाग्रता चाहिए। आईआईसी के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने विकास कुमार का स्वागत किया। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक के के बंसल, आईआईसी के संयोजक डॉ. अतानु नाग, डॉ. अर्कजा सिंह, आशीष अग्रवाल रहे।

आईएफटीएम में रविवार को आयोजित कार्यशाला में मौजूद छात्र व शिक्षक। • हिन्दुस्तान

शोध में बनी रहनी चाहिए शुचिता : प्रो. संजीव

मुरादाबाद, वरिष्ठ संवाददाता। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 'डिलबिट एंटी-प्लेगिज्म वेबटूल फॉर एकेडमिक राइटिंग स्किल्स-एन ओवरव्यू' विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। सेंट्रल लाइब्रेरी द्वारा रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल एवं बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) सेल के सहयोग से आयोजित वेबिनार में विवि के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहा कि शोध में शुचिता बनी रहनी चाहिए। वेबिनार की एमिनेंट स्पीकर व बलानी इंफोटेक प्राइवेट लिमिटेड की रिलेशनशिप मैनेजर एवं साइंस कम्युनिकेटर- एकेडमिक एण्ड कॉरपोरेट डॉ. निकिता वंजरी ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। केंद्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. बीके राजपूत, प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेन्ट प्रो. नवनीत वर्मा, प्रतिकुलपति- एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी, प्रो. आरके यादव, प्रो. अरुण मिश्रा, प्रो. सुशील कुमार, डॉ. अशोक कुमार, शरद शर्मा आदि मौजूद रहे।

26 FEB

अमर उजाला

मुरादाबाद | सोमवार, 26 फरवरी 2024 6

उद्यमिता व कौशल विकास से मिलेंगे रोजगार के अवसर : संजीव

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में उद्यमिता, कौशल व व्यवहारिक विकास विषय पर कार्यशाला का आयोजन हुआ। यह आयोजन इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल व ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की ओर से किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यशाला में अपने विचार रखे।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में उद्यमिता कौशल विकसित करने से व्यापार व उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही युवाओं को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे।

सेमिनार के मुख्य वक्ता एचएससी मैनेजर व ग्लोबल ट्रेनर एवं ऑडिटर विकास कुमार ने कहा कि उद्यम एक साधना है। इसमें मेहनत, लगन और एकाग्रता चाहिए। वैश्विक विकास का मुख्य आधार ही व्यापार है। यदि अच्छा उद्योग स्थापित हो जाए तो उसमें हजारों-लाखों लोगों को रोजगार मिल सकता है।

इस मौके पर आईआईसी के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने कहा कि कार्यशाला से विद्यार्थियों को अवश्य लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि व्यावहारिक सत्रों में प्रतिभागियों ने खुलकर संवाद किया। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक केके बंसल ने कहा कि सेमिनार विद्यार्थियों के लिए एक अवसर की तरह है। इसका उन्हें पूरा लाभ उठाकर उद्यमी बनने का प्रयास करना चाहिए। ब्यूरो

25 FEB

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के तीन विद्यार्थी इंटर्नशिप के लिए जायेंगे स्वीडन

युग बन्धु समाचार

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साईंसिज एण्ड इंजीनियरिंग के एम.एससी, एग्रीकल्चर, प्रथम वर्ष के तीन विद्यार्थी अभिषेक कुमार, अमन तथा अक्षत जे.यू.एफ. ट्रेनिंग प्रोग्राम में 8 महीने के इंटर्नशिप कार्यक्रम में प्रतिभाग करने हेतु स्वीडन जायेंगे। इंटर्नशिप के दौरान इन विद्यार्थियों का कार्य संतोषजनक रहने पर उक्त अवधि में बढ़ोत्तरी भी हो सकती है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने इस उपलब्धि के लिए विद्यार्थियों को बधाई एवं उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता से ही शिक्षण संस्थान की पहचान होती है। उन्होंने यह भी कहा कि आईएफटीएम विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अपनी प्रतिभा से देश एवं विदेश में अपनी संस्था और अभिभावकों का नाम रोशन कर रहे हैं।

इस मौके पर कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि इन विद्यार्थियों की सफलता से अन्य विद्यार्थी भी अवश्य प्रेरित होंगे। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को और भी अधिक मेहनत व निष्ठा से अपना कार्य करने की सलाह देते हुए उनका उत्साहवर्धन भी किया। स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साईंसिज एण्ड इंजीनियरिंग के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से पूरा विश्वविद्यालय परिवार प्रसन्न है। उन्होंने यह भी बताया कि इंटर्नशिप की इस अवधि में प्रत्येक विद्यार्थी को 10 लाख रूपए मिलेंगे। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक श्री के.के. बंसल, ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल की हेड डॉ. अर्कजा सिंह, सीनियर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर श्री आशीष अग्रवाल, स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस एंड इंजीनियरिंग के ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट समन्वयक डॉ. ए.एन. चैबे, सेल के समेत विश्वविद्यालय के सभी स्कूल के निदेशकों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने भी तीनों विद्यार्थियों को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। वि0

25 FEB

अमर उजाला

amarujala.com

मुरादाबाद | रविवार, 25 फरवरी 2024

10

आईएफटीएम के तीन छात्र इंटर्नशिप के लिए जाएंगे स्वीडन

व्यावसायिक गतिविधि

मुरादाबाद (वि)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के तीन छात्र अभिषेक कुमार, अमन व अक्षत जेयूएफ ट्रेनिंग प्रोग्राम में आठ महीने के इंटर्नशिप कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए स्वीडन जाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेंद्र प्रसाद पांडेय ने इस उपलब्धि के लिए विद्यार्थियों को बधाई दी। कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहा कि इन छात्रों से अन्य विद्यार्थी भी प्रेरित होंगे। इस अवसर पर स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर साइंस एंड इंजीनियरिंग के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक केके बंसल, हेड डॉ. अर्कजा सिंह आदि मौजूद रहे।

25 FEB

हिन्दुस्तान
मुरादाबाद, रविवार, 25 फरवरी 2024
06

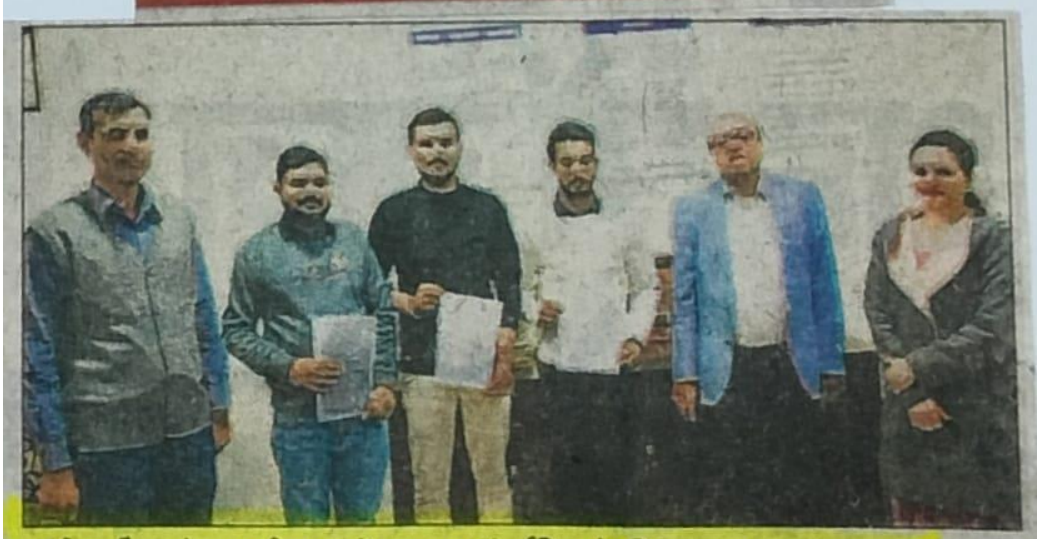

आईएफटीएम के इन तीन छात्रों का हुआ इंटर्नशिप के लिए चयन।

तीन छात्र इंटर्नशिप के लिए जाएंगे स्वीडन

मुरादाबाद। आईएफटीएम विवि के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के एमएससी, एग्रीकल्चर के तीन छात्र अभिषेक कुमार, अमन तथा अक्षत जेयूएफ ट्रेनिंग प्रोग्राम में आठ महीने के इंटर्नशिप के लिए स्वीडन जाएंगे। विवि के कुलपति प्रो. महेंद्र प्रसाद पांडेय और कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने इस उपलब्धि के लिए विद्यार्थियों को बधाई दी।

25 FEB

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के तीन विद्यार्थी इंटर्नशिप के लिए जाएंगे स्वीडन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साईंसिज एण्ड इंजीनियरिंग के एम.एससी, एग्रीकल्चर, प्रथम वर्ष के तीन विद्यार्थी अभिषेक कुमार, अमन तथा अक्षत जे. यू.एफ. ट्रेनिंग प्रोग्राम में 8 महीने के इंटर्नशिप कार्यक्रम में प्रतिभाग करने हेतु स्वीडन जायेंगे। इंटर्नशिप के दौरान इन विद्यार्थियों का कार्य संतोषजनक रहने पर उक्त अवधि में बढ़ोत्तरी भी हो सकती है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने इस उपलब्धि के लिए विद्यार्थियों को बधाई एवं उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता से ही शिक्षण संस्थान की पहचान होती है। उन्होंने यह भी कहा कि आईएफटीएम विश्व. विद्यालय के विद्यार्थी अपनी प्रतिभा से देश एवं विदेश में अपनी संस्था और अभिभावकों का नाम रोशन कर रहे हैं। इस मौके पर कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि इन विद्यार्थियों की सफलता से अन्य विद्यार्थी भी अवश्य प्रेरित होंगे। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को और भी अधिक मेहनत व निष्ठा से अपना कार्य करने की सलाह देते हुए उनका उत्साहवर्धन भी किया।

स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साईंसिज एण्ड इंजीनियरिंग के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से पूरा विश्वविद्यालय परिवार प्रसन्न है। उन्होंने यह भी बताया कि इंटर्नशिप की इस अवधि में प्रत्येक विद्यार्थी को 10 लाख रूपए मिलेंगे। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक श्री के.के. बंसल, ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल की हेड डॉ. अर्कजा सिंह, सीनियर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर आशीष अग्रवाल, स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस एंड इंजीनियरिंग के ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट समन्वयक डॉ. ए.एन. चौबे, सेल के समेत विश्वविद्यालय के सभी स्कूल के निदेशकों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने भी तीनों विद्यार्थियों को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है।

24 FEB

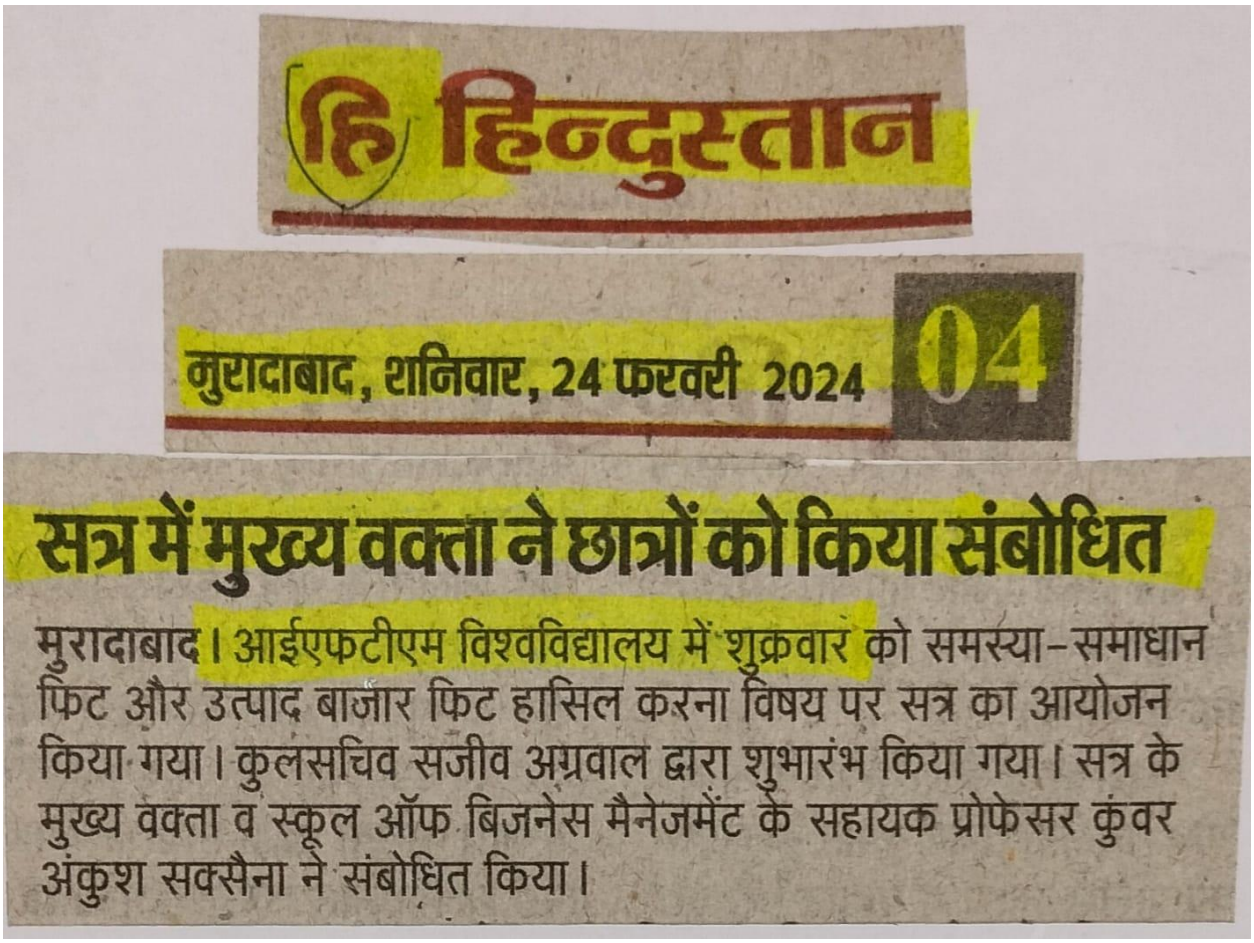

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, शनिवार, 24 फरवरी 2024 04

सत्र में मुख्य वक्ता ने छात्रों को किया संबोधित

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में शुक्रवार को समस्या-समाधान फिट और उत्पाद बाजार फिट हासिल करना विषय पर सत्र का आयोजन किया गया। कुलसचिव सजीव अग्रवाल द्वारा शुभारंभ किया गया। सत्र के मुख्य वक्ता व स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के सहायक प्रोफेसर कुंवर अंकुश सक्सैना ने संबोधित किया।

24 FEB

ड्रिलबिट एंटी–प्लेग्रिज्म वेबटूल फॉर एकेडमिक राइटिंग स्किल्स–एन ओवरव्यू विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में सेंट्रल लाइब्रेरी द्वारा रिसर्च एण्ड डेवलपमेन्ट सेल एवं बौद्धिक सम्पदा अधिकार (आईपीआर) सेल के सहयोग से ड्रिलबिट एंटी-प्लेग्रिज्म वेबटूल फॉर एकेडमिक राइटिंग स्किल्स-एन ओवरव्यू विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने वेबिनार के सफल आयोजन हेतु अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शोध में शुचिता बनी रहनी चाहिए। वेबिनार की एमिनेंट स्पीकर व बलानी इंफोटेक प्राइवेट लिमिटेड की रिलेशनशिप मैनेजर एवं साइंस कम्युनिकेटर- एकेडमिक एण्ड कॉरपोरेट डॉ. निकिता वंजरी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुई एंटी प्लेग्रिज्म

डॉ. निकिता वंजरी

सॉफ्टवेयर के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने जानकारी दी कि इस सॉफ्टवेयर के उपयोग से प्लेग्रिज्म को किस प्रकार चैक करके अपने ऐकेडमिक लेखन को बेहतर बनाया जा सकता है।

इस मौके पर कार्यक्रम के संयोजक व केंद्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. बी.के. राजपूत ने कहा कि किसी भी प्रकार की साहित्य चोरी से बचने के साथ ही अपने काम में मौलिकता सुनिश्चित करने के लिए प्लेग्रिज्म सॉफ्टवेयर का उपयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि इस वेबिनार का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों एवं शोधकताओं को रिपोर्ट, शोध लेखन एवं रिसर्च पेपर लेखन के लिए ड्रिलब्रिट प्लेग्रिज्म सॉफ्टवेयर का प्रयोग करने के लिए शिक्षित करना रहा। वेबिनार में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 100 से अधिक प्रतिभागी उपस्थित रहे।

अंत में प्रतिकुलपति- रिसर्च एण्ड डेवलपमेन्ट प्रो. नवनीत वर्मा ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रतिकुलपति- एकेडेमिक्स एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए सलाह दी कि शोधार्थियों को अपने शोध अध्ययन में प्लेग्रिज्म का खास ध्यान रखना चाहिए। वेबिनार के दौरान आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. आर.के. यादव, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्रा, स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल्स साइंसेज के निदेशक प्रो. सुशील कुमार, विश्वविद्यालय के कई निदेशकगण तथा शिक्षकों समेत डॉ. अशोक कुमा एवं श्री शरद शर्मा भी उपस्थित रहे।

24 FEB

आईएफटीएम में 'ड्रिलबिट एंटी-प्लेग्रिज्म वेबटूल फॉर एकेडमिक राइटिंग स्किल्स-एन ओवरव्यू' विषय पर वेबिनार का आयोजन

ज्ञाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में सेंट्रल लाइब्रेरी द्वारा रिसर्च एण्ड डेवलपमेन्ट सेल एवं बौद्धिक सम्पदा अधिकार

डॉ. निकिता वंजरी

(आईपीआर) सेल के सहयोग से ''ड्रिलबिट एंटी-प्लेग्रिज्म वेबटूल फॉर एकेडमिक राइटिंग स्किल्स-एन ओवरव्यू''विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने वेबिनार के सफल आयोजन हेतु अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शोध में शुचिता बनी रहनी चाहिए। वेबिनार की एमिनेंट स्पीकर व बलानी इंफोटेक प्राइवेट लिमिटेड की रिलेशनशिप मैनेजर एवं साइंस कम्युनिकेटर-एकेडमिक एण्ड कॉरपोरेट डॉ. निकिता वंजरी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुई एंटी प्लेग्रिज्म सॉफ्टवेयर के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने जानकारी दी कि इस सॉफ्टवेयर के उपयोग से प्लेग्रिज्म को किस प्रकार चौक करके अपने ऐकेडमिक लेखन को बेहतर बनाया जा सकता है।

इस मौके पर कार्यक्रम के संयोजक व केंद्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. बी.के. राजपूत ने कहा कि किसी भी प्रकार की साहित्य चोरी से बचने के साथ ही अपने काम में मौलिकता सुनिश्चित करने के लिए प्लेग्रिज्म सॉफ्टवेयर का उपयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि इस वेबिनार का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों एवं शोधकर्ताओं को रिपोर्ट, शोध लेखन एवं रिसर्च पेपर लेखन के लिए ड्रिलब्रिट प्लेग्रिज्म सॉफ्टवेयर का प्रयोग करने के लिए शिक्षित करना रहा। वेबिनार में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 100 से अधिक प्रतिभागी उपस्थित रहे।

अंत में प्रतिकुलपति- रिसर्च एण्ड डेवलपमेन्ट प्रो. नवनीत वर्मा ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रतिकुलपति- एकेडेमिक्स एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए सलाह दी कि शोधार्थियों को अपने शोध अध्ययन में प्लेग्रिज्म का खास ध्यान रखना चाहिए। वेबिनार के दौरान आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. आर. के. यादव, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्रा, स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल्स साईंसेज के निद. शक प्रो. सुशील कुमार, विश्वविद्यालय के कई निदेशकगण तथा शिक्षकों समेत डॉ. अशोक कुमा एवं श्री शरद शर्मा भी उपस्थित रहे।

दावते इस्लामी इन्डिया के इज्तेमा में झूठ से बचने पर दिया जोर

कुन्दरकी। नगर की तकये वाली मस्जिद में दावते इस्लामी

इन्डिया का इज्तेमा मुनाकिद हुआ जिसमें मुबल्लिगे दावते इस्लामी इन्डिया नाजिम मदनी ने झूठ से बचने और नेक अमल करने पर जोर दिया और बताया बेशक सच्चाई नेकी की तरफ ले जाती है और नेकी जन्नत की तरफ ले जाती है और बेशक बन्दा सच बोलता रहता है तो वह अल्लाह पाक के नजदीक सच्चा लिख दिया जाता है लिहाजा मुसलमानों को चाहिए हमेशा सच बोलें नमाज रोजे की पाबन्दी करें आखिर में सलाम के बाद मुल्क व मिल्लत की खुशहाली के लिये दुआ कराई।

इस मौके पर सय्यद कारी मुजक्किर अत्तारी गुलाम नबी अत्तारी इमरान अत्तारी अबरार हुसैन अत्तारी रिजवान अशरफी इन्तेजार रजवी डॉ मोहसिन अत्तारी आदि मोजूद रहे।

22 FEB

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हुआ विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में बौद्धिक संपदा प्रकोष्ठ (आईपीआर सेल), इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल एवं फार्मेसी संकाय के संयुक्त तत्वावधान में नवप्रवर्तन की प्रक्रिया, विकास, प्रौद्योगिकी तत्परता स्तर लैब प्रौद्योगिकियों का व्यावसायीकरण और तकनीकी हस्तान्तरण विषय पर एक विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान ह्यद लॉ फर्म-आईपी नेशनह्ल के मैनेजिंग पार्टनर श्री आशीष शर्मा, एडवोकेट ने बतौर मुख्य वक्ता कॉपीराइट, पेटेंट, ट्रेडमार्क की महत्ता, व्यावसायीकरण एवं तकनीकी हस्तान्तरण के क्षेत्र में नवीन आयाम एवं टेक्नोलॉजी रीडिंग की दिशा में शोध की जानकारी दी।

फार्मेसी संकाय के डीन डॉ. नवनीत वर्मा ने पुष्पगुच्छ देकर मुख्य वक्ता श्री शर्मा का स्वागत किया। डॉ. वर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा कि एक दवा उत्पाद और इसकी स्थापित विनिर्माण प्रक्रियाओं के विकास से लेकर वाणिज्यिक उत्पादन तक ज्ञान हस्तांतरण की एक श्रृंखला है तथा हम सभी को इससे संबंधित ज्ञान से परिचित होना चाहिए। स्कूल और फार्मास्युटिकल साइंसेज के निदेशक डॉ. सुशील कुमार ने मुख्य वक्ता श्री शर्मा को प्रतीक-चिन्ह भेंट कर सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। साहू ओमकार सरन कोठीवाल स्कूल ऑफ फार्मेसी के निदेशक डॉ. अरुण कुमार मिश्रा ने वार्ता के विषय के संबन्ध में कहा कि सरकार प्रौद्योगिकी के निर्यात से संबंधित नीति तैयार कर रही है तथा वर्तमान में प्रौद्योगिकी निर्यात विकास की दिशा में होने वाले कार्य फार्मा सेक्टर हेतु अत्यंत लाभदाई साबित होंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में फार्मेसी संकाय के शिक्षक डॉ. अभिषेक तिवारी, डॉ. शहबाज खान, श्री अलंकर श्रीवास्तव, डॉ. हरप्रीत सिंह एवं डॉ. विजय शर्मा का विशेष योगदान रहा। मंच का संचालन डॉ. श्वेता वर्मा ने किया।

22 FEB

आईएफटीएम की शिक्षिका डॉ. मेघा भाटिया और डॉ. आरती गर्ग की

पुस्तक का हुआ विमोचन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की शिक्षिका डॉ. मेघा भाटिया और डॉ. आरती गर्ग की लिखी पुस्तक मैनेजमेंट कंसेप्ट्स एंड ऑग्रेनाइजेशनल बिहेवियर का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय के कर-कमलों द्वारा विमोचन किया गया। कुलपति प्रो. पाण्डेय ने डॉ. भाटिया और डॉ. गर्ग की इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों के लिए बेहद उपयोगी सिद्ध होगी। कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने डॉ. भाटिया और डॉ. गर्ग की लिखी इस पुस्तक की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पुस्तक शिक्षण, प्रशासन और व्यवसाय प्रबंधन से जुड़े लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। प्रतिकुलपति- एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति- अकेडेमिक्स एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी,

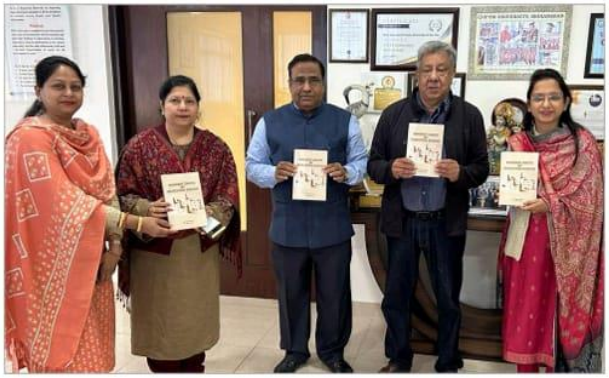

प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा ने दोनों शिक्षिकाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पुस्तक लेखन में और शिक्षकों को भी आगे आना चाहिए। स्कूल की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने भी दोनों शिक्षिकाओं को बधाई देते हुए कहा कि उनके द्वारा लिखी गई यह पुस्तक पाठकों का मार्गदर्शन करने के साथ ही साथ नए शिक्षकों को भी अवश्य प्रेरित करेगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री राजीव कोठीवाल ने डॉ. भाटिया तथा डॉ. गर्ग को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। डॉ. भाटिया ने बताया कि 276 पेज की इस पुस्तक का प्रकाशन उत्तर प्रदेश के कालिंदी बुक रिवर्स, लखनऊ ने किया है। 500 रुपए मूल्य वाली इस पुस्तक में 7 अध्याय हैं, जिसमें शिक्षण, प्रशासन और प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं का सारगर्भित तरीके से वर्णन किया गया है। उन्होंने बताया कि यह पुस्तक बिक्री के लिए देश विभिन्न बुक स्टालों के अलावा अमेजन, फ्लिपकार्ट पर भी उपलब्ध रहेगी। डॉ. भाटिया ने एमबीए में गोल्ड मेडल प्राप्त किया है, साथ ही साथ अध्यापन के क्षेत्र में भी उनका 16 वर्ष का लंबा अनुभव है। डॉ. गर्ग ने एमए, इकोनॉमिक्स में गोल्ड मेडल प्राप्त किया है तथा अध्यापन के क्षेत्र में उनका 14 वर्ष का लंबा अनुभव है। इसके साथ ही डॉ. भाटिया और डॉ. गर्ग के राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स में अनेक शोध-पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त दोनों शिक्षिकाएं कई राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर की कार्यशालाओं व संगोष्ठियों में प्रतिभाग कर चुकी हैं। वर्तमान में डॉ. भाटिया के निर्देशन में छः शोधार्थी तथा डॉ. गर्ग के निर्देशन में एक शोधार्थी शोध कर रहे हैं। विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशकों, विभागाध्यक्षों एवं शिक्षकों ने भी इस उपलब्धि के लिए डॉ. भाटिया और डॉ. गर्ग को बधाई दी है।

22 FEB

अमर उजाला
amarujala.com
मुरादाबाद | बृहस्पतिवार, 22 फरवरी 2024
7

विशेष वार्ता में विनिर्माण प्रक्रियाओं के विकास की दी गई जानकारी

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में बौद्धिक संपदा प्रकोष्ठ (आईपीआर सेल), इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल एवं फार्मेसी संकाय की ओर से विशेष वार्ता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का विषय नवप्रवर्तन की प्रक्रिया, विकास, प्रौद्योगिकी तत्परता स्तर लैब प्रौद्योगिकियों का व्यावसायीकरण और तकनीकी हस्तांतरण रहा। कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान 'द लॉ फर्म-आईपी नेशन' के मैनेजिंग पार्टनर आशीष शर्मा एडवोकेट ने बतौर मुख्य वक्ता कॉपीराइट, पेटेंट, ट्रेडमार्क की महत्ता, व्यावसायीकरण एवं तकनीकी हस्तांतरण के क्षेत्र में नवीन आयाम एवं टेक्नोलॉजी रीडिंग की दिशा में शोध की जानकारी दी।

फार्मेसी संकाय के डीन डॉ. नवनीत वर्मा ने कहा कि एक दवा उत्पाद और इसकी स्थापित विनिर्माण प्रक्रियाओं के विकास से लेकर वाणिज्यिक उत्पादन तक ज्ञान हस्तांतरण की एक शृंखला है तथा हम सभी को इससे संबंधित ज्ञान से परिचित होना चाहिए। ब्यूरो

22 FEB

4 दैनिक जागरण मुरादाबाद, 22 फरवरी, 2024

पुस्तक का विमोचन करते कुलाधिपति राजीव कोठीवाल सहित अन्य • सौ.विवि

दो शिक्षकों की पुस्तकों का विमोचन

मुरादाबाद: आइएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल आफ बिजनेस मैनेजमेंट की शिक्षिका डा. मेघा भाटिया और डा. आरती गर्ग की लिखी पुस्तक 'मैनेजमेंट कंसेप्ट्स एंड आर्गेनाइजेशन बिहेवियर' का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पांडे ने विमोचन किया। कुलपति ने डा. भाटिया और डा. गर्ग की इस उपलब्धि पर हर्ष जताया। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों के लिए बेहद उपयोगी सिद्ध होगी। कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने डा. भाटिया और डा. गर्ग की लिखी इस पुस्तक की प्रशंसा की। प्रतिकुलपति-एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो.राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति-अकेडेमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो.वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति-रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो.नवनीत वर्मा ने दोनों शिक्षिकाओं का उत्साहवर्धन किया। वि.

22 FEB

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, गुरुवार, 22 फरवरी 2024 04

आईएफटीएम में 'विशेषज्ञ वार्ता' का आयोजन

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में बौद्धिक संपदा प्रकोष्ठ, इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल एवं फार्मेसी संकाय के संयुक्त तत्वावधान में विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया। मैनेजिंग पार्टनर आशीष शर्मा ने बतौर मुख्य वक्ता कॉपीराइट, पेटेंट, ट्रेडमार्क की महत्ता, पर जानकारी दी। फार्मेसी संकाय के डीन डॉ. नवनीत वर्मा ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया।

डॉ. मेघा भाटिया और डॉ. आरती गर्ग की पुस्तक का हुआ विमोचन। • हिन्दुस्तान

डॉ. मेघा, डॉ. गर्ग की पुस्तक का विमोचन

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की शिक्षिका डॉ. मेघा भाटिया और डॉ. आरती गर्ग की पुस्तक का विमोचन किया गया। 'मैनेजमेंट कंसेप्ट्स एंड ऑग्रेनाइजेशनल बिहेवियर' का विवि के कुलपति प्रो. महेंद्र प्रसाद पांडेय ने विमोचन किया। कुलाधिपति राजीव कोठीवाल ने डॉ. भाटिया तथा डॉ. गर्ग को बधाई दी। कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

22 FEB

आईएफटीएम विश्वविद्यालय की शिक्षिका डॉ. मेघा भाटिया और डॉ. आरती गर्ग की पुस्तक का हुआ विमोचन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की शिक्षिका डॉ. मेघा भाटिया और डॉ. आरती गर्ग की लिखी पुस्तक ''मैनेजमेंट कंसेप्ट्स एंड ऑग्रेनाइजेशनल बिहे. वियर'' का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय के कर-कमलों द्वारा विमोचन किया गया।

कुलपति प्रो. पाण्डेय ने डॉ. भाटिया और डॉ. गर्ग की इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों के लिए बेहद उपयोगी सिद्ध होगी। कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने डॉ. भाटिया और डॉ. गर्ग की लिखी इस पुस्तक की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पुस्तक शिक्षण, प्रशासन और व्यवसाय प्रबंधन से जुड़े लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। प्रतिकुल. पति- एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति- अकेडेमिक्स एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा ने दोनों शिक्षिकाओं का

उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पुस्तक लेखन में और शिक्षकों को भी आगे आना चाहिए। स्कूल की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने भी दोनों शिक्षिकाओं को बधाई देते हुए कहा कि उनके द्वारा लिखी गई यह पुस्तक पाठकों का मार्गदर्शन करने के साथ ही साथ नए शिक्षकों को भी अवश्य प्रेरित करेगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री राजीव कोठीवाल ने डॉ. भाटिया तथा डॉ. गर्ग को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। डॉ. भाटिया ने बताया कि 276 पेज की इस पुस्तक का प्रकाशन उत्तर प्रदेश के कालिंदी बुक रिवर्स, लखनऊ ने किया है। 500 रुपए मूल्य वाली इस पुस्तक में 7 अध्याय हैं, जिसमें शिक्षण, प्रशासन और प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं का सारगर्भित तरीके से वर्णन किया गया है। उन्होंने बताया कि यह पुस्तक बिक्री के लिए देश विभिन्न बुक स्टालों के अलावा अमेजन, फ्लिपकार्ट पर भी उपलब्ध रहेगी। डॉ. भाटिया ने एमबीए में गोल्ड मेडल प्राप्त किया है, साथ ही साथ अध्यापन के क्षेत्र में भी उनका 16 वर्ष का लंबा अनुभव है। डॉ. गर्ग ने एमए, इकोनॉमिक्स में गोल्ड मेडल प्राप्त किया है तथा अध्यापन के क्षेत्र में उनका 14 वर्ष का लंबा अनुभव है। इसके साथ ही डॉ. भाटिया और डॉ. गर्ग के राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स में अनेक शोध-पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त दोनों शिक्षिकाएं कई राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर की कार्यशालाओं व संगोष्ठियों में प्रतिभाग कर चुकी हैं। वर्तमान में डॉ. भाटिया के निर्देशन में छः शोधार्थी तथा डॉ. गर्ग के निर्देशन में एक शोधार्थी शोध कर रहे हैं। विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशकों, विभागाध्यक्षों एवं शिक्षकों ने भी इस उपलब्धि के लिए डॉ. भाटिया और डॉ. गर्ग को बधाई दी है।

22 FEB

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हुआ विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में बौद्धिक संपदा प्रकोष्ठ (आईपीआर सेल), इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल एवं फार्मेसी संकाय के संयुक्त तत्वावधान में नवप्रवर्तन की प्रक्रिया, विकास, प्रौद्योगिकी तत्परता स्तर लैब प्रौद्योगिकियों का व्यावसायीकरण और तकनीकी हस्तान्तरण विषय पर एक विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान ह्याद लॉ फर्म-आईपी नेशनह्न के मैनेजिंग पार्टनर श्री आशीष शर्मा, एडवोकेट ने बतौर मुख्य वक्ता कॉपीराइट, पेटेंट, ट्रेडमार्क की महत्ता, व्यावसायीकरण एवं तकनीकी हस्तान्तरण के क्षेत्र में नवीन आयाम एवं टेक्नोलॉजी रीडिंग की दिशा में शोध की जानकारी दी।

फार्मेसी संकाय के डीन डॉ. नवनीत वर्मा ने पुष्पगुच्छ देकर मुख्य वक्ता श्री शर्मा का स्वागत किया। डॉ. वर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा कि एक दवा उत्पाद और इसकी स्थापित विनिर्माण प्रक्रियाओं के विकास से लेकर वाणिज्यिक उत्पादन तक ज्ञान हस्तांतरण की एक श्रृंखला है तथा हम सभी को इससे संबंधित ज्ञान से परिचित होना चाहिए। स्कूल और फार्मास्युटिकल साइंसेज के निदेशक डॉ. सुशील कुमार ने मुख्य वक्ता श्री शर्मा को प्रतीक-चिन्ह भेंट कर सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। साहू ओमकार सरन कोठीवाल स्कूल ऑफ फार्मेसी के निदेशक डॉ. अरुण कुमार मिश्रा ने वार्ता के विषय के संबन्ध में कहा कि सरकार प्रौद्योगिकी के निर्यात से संबंधित नीति तैयार कर रही है तथा वर्तमान में प्रौद्योगिकी निर्यात विकास की दिशा में होने वाले कार्य फार्मा सेक्टर हेतु अत्यंत लाभदाई साबित होंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में फार्मेसी संकाय के शिक्षक डॉ. अभिषेक तिवारी, डॉ. शहबाज खान, श्री अलंकर श्रीवास्तव, डॉ. हरप्रीत सिंह एवं डॉ. विजय शर्मा का विशेष योगदान रहा। मंच का संचालन डॉ. श्वेता वर्मा ने किया।

22 FEB

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हुआ विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में बौद्धिक संपदा प्रकोष्ठ (आईपीआर सेल), इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल एवं फामेर्सी संकाय के संयुक्त तत्वावधान में नवप्रवर्तन की प्रक्रिया, विकास, प्रौद्योगिकी तत्परता स्तर लैब प्रौद्योगिकियों का व्यावसायीकरण और तकनीकी हस्तान्तरण विषय पर एक विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान द लॉ फर्म-आईपी नेशन के मैनेजिंग पार्टनर श्री आशीष शर्मा, एडवोकेट ने बतौर मुख्य वक्ता कॉपीराइट, पेटेंट, ट्रेडमार्क की महत्ता, व्यावसायीकरण एवं तकनीकी हस्तान्तरण के क्षेत्र में नवीन आयाम एवं टेक्नोलॉजी रीडिंग की दिशा में शोध की जानकारी दी।

फामेर्सी संकाय के डीन डॉ. नवनीत वर्मा ने पुष्पगुच्छ देकर मुख्य वक्ता श्री शर्मा का स्वागत किया। डॉ. वर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा कि एक दवा उत्पाद और इसकी स्थापित विनिर्माण प्रक्रियाओं के विकास से लेकर वाणिज्यिक उत्पादन तक ज्ञान हस्तांतरण की एक श्रृंखला है तथा हम सभी को इससे संबंधित ज्ञान से परिचित होना चाहिए। स्कूल और फार्मास्युटिकल साइंसेज के निदेशक डॉ. सुशील कुमार ने मुख्य वक्ता श्री शर्मा को प्रतीक-चिन्ह भेंट कर सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। साहू ओमकार सरन कोठीवाल स्कूल ऑफ फामेर्सी के निदेशक डॉ. अरुण कुमार मिश्रा ने वार्ता के विषय के संबन्ध में कहा कि सरकार प्रौद्योगिकी के निर्यात से संबंधित नीति तैयार कर रही है तथा वर्तमान में प्रौद्योगिकी निर्यात विकास की दिशा में होने वाले कार्य फार्मा सेक्टर हेतु अत्यंत लाभदाई साबित होंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में फामेर्सी संकाय के शिक्षक डॉ. अभिषेक तिवारी, डॉ. शहबाज खान, अलंकर श्रीवास्तव, डॉ. हरप्रीत सिंह एवं डॉ. विजय शर्मा का विशेष योगदान रहा। मंच का संचालन डॉ. श्वेता वर्मा ने किया। वि0

22 FEB

आईएफटीएम विश्वविद्यालय की शिक्षिका डॉ. मेघा भाटिया और डॉ. आरती गर्ग की

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की शिक्षिका डॉ. मेघा भाटिया और डॉ. आरती गर्ग की लिखी पुस्तक मैनेजमेंट कंसेप्ट्स एंड ऑग्रेनाइजेशनल बिहेवियर का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय के कर-कमलों द्वारा विमोचन किया गया। कुलपति प्रो. पाण्डेय ने डॉ. भाटिया और डॉ. गर्ग की इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों के लिए बेहद उपयोगी सिद्ध होगी। कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने डॉ. भाटिया और डॉ. गर्ग की लिखी इस पुस्तक की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पुस्तक शिक्षण, प्रशासन और व्यवसाय प्रबंधन से जुड़े लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। प्रतिकुलपति- एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति- अकेडेमिक्स एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा ने दोनों शिक्षिकाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पुस्तक लेखन में और शिक्षकों को भी आगे आना चाहिए। स्कूल की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने भी दोनों शिक्षिकाओं को बधाई देते हुए कहा कि उनके द्वारा लिखी गई यह पुस्तक पाठकों का मार्गदर्शन करने के साथ ही साथ नए शिक्षकों को भी अवश्य प्रेरित करेगी।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री राजीव कोठीवाल ने डॉ. भाटिया तथा डॉ. गर्ग को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। डॉ. भाटिया ने बताया कि 276 पेज की इस पुस्तक का प्रकाशन उत्तर प्रदेश के कालिंदी बुक रिवर्स, लखनऊ ने किया है। 500 रुपए मूल्य वाली इस पुस्तक में 7 अध्याय हैं, जिसमें शिक्षण, प्रशासन और प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं का सारगर्भित तरीके से वर्णन किया गया है। उन्होंने बताया कि यह पुस्तक बिक्री के लिए देश विभिन्न बुक स्टालों के अलावा अमेजन, फ्लिपकार्ट पर भी उपलब्ध रहेगी। डॉ. भाटिया ने एमबीए में गोल्ड मेडल प्राप्त किया है, साथ ही साथ अध्यापन के क्षेत्र में भी उनका 16 वर्ष का लंबा अनुभव है। डॉ. गर्ग ने एमए, इकोनॉमिक्स में गोल्ड मेडल प्राप्त किया है तथा अध्यापन के क्षेत्र में उनका 14 वर्ष का लंबा अनुभव है। इसके साथ ही डॉ. भाटिया और डॉ. गर्ग के राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स में अनेक शोध-पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त दोनों शिक्षिकाएं कई राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर की कार्यशालाओं व संगोष्ठियों में प्रतिभाग कर चुकी हैं। वर्तमान में डॉ. भाटिया के निर्देशन में छः शोधार्थी तथा डॉ. गर्ग के निर्देशन में एक शोधार्थी शोध कर रहे हैं। विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशकों, विभागाध्यक्षों एवं शिक्षकों ने भी इस उपलब्धि के लिए डॉ. भाटिया और डॉ. गर्ग को बधाई दी है। वि0

22 FEB

विधान केसरी | मुरादाबाद

आईएफटीएम में समस्या–समाधान फिट और उत्पाद बाजार फिट हांसिल करना विषय पर हुआ सत्र का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में इंस्टिट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) एवं स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के संयुक्त तत्वावधान में समस्या-समाधान फिट और उत्पाद बाजार फिट हासिल करना विषय पर एक सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने छात्र-छात्राओं की बहुआयामी सफलता का मार्ग प्रशस्त करने की दिशा में लगे आयोजन समिति के सदस्यों की प्रशंसा भी की। सत्र के मुख्य वक्ता व स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के असिस्टेंट प्रोफेसर कुंवर अंकुश सक्सैना ने विद्यार्थियों को उन कंपनियों के विभिन्न उदाहरण प्रस्तुत किए, जोकि समस्या-समाधान फिट और उत्पाद-बाजार फिट अवधारणा की अनदेखी के कारण विफल हो गईं। उन्होंने बदलते बाजारों में किसी कंपनी द्वारा लचीला होने, मजबूत बाजार मांग की पहचान करने, पुराने विचारों को पुनर्जीवित करने या पुनर्गठित करने, ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने और भविष्य पर नजर रखने के महत्व पर जोर देते हुए इस सम्बन्ध में विद्यार्थियों को प्रेरित भी दिया। इस मौके पर कार्यक्रम की अध्यक्षा व स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने आईआईसी की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन उद्यमता की संभावनाओं को बढ़ाने में अत्यंत सहायक होंगे।

इस मौके पर आईआईसी के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने कहा कि इस सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में उद्यमिता कौशल का निर्माण करना है।

सत्र का संचालन मैनेजमेंट विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हिमांशु गुप्ता ने किया।

सत्र के दौरान आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. राकेश कुमार यादव, विभागाध्यक्ष डॉ. मेघा भाटिया एवं डॉ. आशीष कुमार सक्सेना उपस्थित रहे। सत्र के सफल आयोजन में स्कूल के शिक्षक डॉ. आरती गर्ग, डॉ. स्वाति राय एवं आईआईसी के संयोजक डॉ. अतानु नाग का विशेष योगदान रहा।

सत्र में स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

22 FEB

आईएफटीएम में एनालिसिस ऑफ प्रोटीन विषय पर हुआ सेमिनार

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आईएफटीएम यूनिवर्सिटी एलुमिनाई एसोसिएशन (आईयूएए) और स्कूल ऑफ साइंसेज के संयुक्त तत्वावधान में एनालिसिस ऑफ प्रोटीन विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक व कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो. बी.के. सिंह एवं मुख्य वक्ता श्री ऋषभ गुप्ता ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर संयुक्त रूप से सेमिनार का शुभारंभ किया। हिमाचल प्रदेश के पौन्टा साहिब स्थित जियोन लाइफ साइंसेज में कार्यरत व विश्वविद्यालय से एमएससी-केमिस्ट्री, 2021 बैच के पूर्व छात्र श्री ऋषभ गुप्ता ने बतौर मुख्य वक्ता अपने वक्तव्य में स्वस्थ शरीर के लिए प्रोटीन को अत्यंत महत्वपूर्ण बताने के साथ ही प्रोटीनयुक्त आहार लेने से पहले चिकित्सक की सलाह लेने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक रूप से प्राप्त प्रोटीन ही शरीर के लिए उत्तम है, परन्तु सिंथेटिक प्रोटीन का सेवन डॉक्टर के उचित मार्गदर्शन में ही किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने प्रोटीन विश्लेषण के विभिन्न तरीकों पर भी विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला।

इस मौके पर कुलसचिव प्रो. अग्रवाल ने एलुमनस व मुख्यवक्ता श्री गुप्ता की उपलब्धियों पर उनकी सराहना करते हुए उन्हें भविष्यमयी शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो. बी.के. सिंह ने श्री गुप्ता को विश्वविद्यालय की ओर से स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। एलुमिनाई समन्वयक व केमिस्ट्री विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. पवन कुमार शुक्ला ने सेमिनार का संचालन किया। सेमिनार के सफल आयोजन में स्कूल के एलुमिनाई समन्वयक डॉ. अमनप्रीत कौर, सह समन्वयक डॉ. रोहित कुमार एवं आयोजन सचिव श्रीमती शुभांगी अग्रवाल की मुख्य भूमिका रही। सेमिनार के दौरान स्कूल ऑफ साइंसेज के 115 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

22 FEB

आईएफटीएम में 'समस्या-समाधान फिट और उत्पाद बाजार फिट हासिल करना' विषय पर हुआ एक सत्र का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में इंस्टिट्यूशन्स इनावेशन काउंसिल (आईआईसी) एवं स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के संयुक्त तत्वावधान में ''समस्या-समाधान फिट और उत्पाद बाजार फिट हासिल करना'' विषय पर एक सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने छात्र-छात्राओं की बहुआयामी सफलता का मार्ग प्रशस्त करने की दिशा में लगे आयोजन समिति के सदस्यों की प्रशंसा भी की। सत्र के मुख्य वक्ता व स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के असिस्टेंट प्रोफेसर कुंवर अंकुश सक्सैना ने विद्यार्थियों को उन कंपनियों के विभिन्न उदाहरण प्रस्तुत किए, जोकि 'समस्या-समाधान फिट और उत्पाद-बाजार फिट' अवधारणा की अनदेखी के कारण विफल हो

गईं। उन्होंने बदलते बाजारों में किसी कंपनी द्वारा लचीला होने, मजबूत बाजार मांग की पहचान करने, पुराने विचारों को पुनर्जीवित करने या पुनर्गठित करने, ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने और भविष्य पर नजर रखने के महत्व पर जोर देते हुए इस सम्बन्ध में विद्यार्थियों को प्रेरित भी दिया। इस मौके पर कार्यक्रम की अध्यक्षा व स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने आईआईसी की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन उद्यमता की संभावनाओं को बढ़ाने में अत्यंत सहायक होंगे। इस मौके पर आईआईसी के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने कहा कि इस सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में उद्यमिता कौशल का निर्माण करना है। सत्र का संचालन मैनेजमेंट विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हिमांशु गुप्ता ने किया। सत्र के दौरान आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. राकेश कुमार यादव, विभागाध्यक्ष डॉ. मेघा भाटिया एवं डॉ. आशीष कुमार सक्सेना उपस्थित रहे। सत्र के सफल आयोजन में स्कूल के शिक्षक डॉ. आरती गर्ग, डॉ. स्वाति राय एवं आईआईसी के संयोजक डॉ. अतानु नाग का विशेष योगदान रहा। सत्र में स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

20 FEB

आईएफटीएम में साइबर सुरक्षा पर शुरू हुआ प्रशिक्षण कार्यक्रम

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल, हनीवेल तथा आईसीटी अकेडेमी के संयुक्त तत्वावधान में छात्राओं को साइबर सुरक्षा के प्रति सशक्त बनाने के उद्देश्य से साइबर सुरक्षा विषय पर तीन सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बी.टैक-इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, बी.टैक-इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग, बी.टैक- कंप्यूटर साइंस, बीसीए तथा बी.एससी- मैथ्स की 60 छात्राएं प्रतिभाग कर रही हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहा कि इन्फॉर्मेशन की नई-नई तकनीक विकसित होने के साथ ही साइबर सुरक्षा के सम्बन्ध में खतरे भी बढ़ते जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में रोजगार के अनेक अवसर मिल रहे हैं तथा आने वाले समय में यह क्षेत्र युवाओं को बड़े अवसर प्रदान करेगा।

आईसीटी अकेडमी के रिलेशनशिप मैनेजर व प्रशिक्षक श्री सत्येन्द्र नारायण ने छात्राओं को संबोधित करते हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को पूरी लगन और मनोयोग से करने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण के उपरांत छात्राएं साइबर सुरक्षा की चुनौतियों का सामना करने के साथ-साथ रोजगार के अनेक अवसर भी प्राप्त कर सकेंगीं। आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. आर. के. यादव ने शिक्षा में साइबर सुरक्षा की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। प्रो. यादव ने छात्राओं के लिए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को एक सुनहरे अवसर की तरह बतताते हुए उनकी शत-प्रतिशत उपस्थिति पर जोर दिया। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट के निदेशक श्री के.के. बंसल ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशिक्षण के दौरान अच्छा प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की ओर से सम्मानित भी किया जाएगा। श्री बंसल ने यह भी बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 7 मार्च तक चलेगा, जिसमें साइबर सुरक्षा प्रशिक्षक व साइबर मामलों के प्रख्यात एडवोकेट श्री प्रतीक यादव छात्राओं को साइबर सुरक्षा के विभिन्न गुर सिखाएंगे। श्री बंसल ने सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह और बुके भेंट किया। कार्यक्रम का संचालन और अतिथियों का स्वागत ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की हेड डॉ. अर्कजा सिंह ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सीनियर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट के श्री युगवेंद्र समेत ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के समन्वयकों डॉ. शैली भारद्वाज तथा श्रीमती अंखी गुलाटी की विशेष भूमिका रही।

15 FEB

8 दैनिक जागरण मुरादाबाद, 15 फरवरी, 2024

दीक्षा समारोह में 53 को पीएचडी, 77 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक

जागरण संवाददाता, मुरादाबाद : आइएफटीएम विश्वविद्यालय का आठवां दीक्षा समारोह हुआ। दीक्षा समारोह में 77 मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं 53 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि समेत कुल 2474 विद्यार्थियों को डिग्री देकर सम्मानित किया गया। साथ ही बी.फार्म-2004 बैच के अभिनव श्रीवास्तव, एमबीए-2009 बैच के डा.अंकुर भटनागर, बीटेक-बायोटेक्नोलाजी 2009 बैच की श्रुति गुप्ता, एमएससी-केमिस्ट्री 2015 बैच के हर्ष कुमार एवं पीएचडी-ला 2021 बैच की डा.शिल्पी गुप्ता को विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया। गोल्ड मेडल व डिग्रियां पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। मुख्य अतिथि एवं नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के अध्यक्ष एवं संघ लोक सेवा आयोग दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार जोशी ने गोल्ड मेडल व डिग्रियां देकर सम्मानित किया। एनटीए के अध्यक्ष प्रो.प्रदीप कुमार जोशी ने कहा कि विद्यार्थी अपनी शिक्षा का उपयोग स्वस्थ सामाजिक व्यवस्था एवं एक विकसित राष्ट्र की संरचना के लिए करें। इससे पहले विश्वविद्यालय के कुलाधिपति राजीव कोठीवाल ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने विश्वविद्यालय की वार्षिक प्रगति आख्या पढ़ी। प्रो. पाण्डेय ने कहा कि नैक के परीक्षण के उपरांत 'ए' ग्रेड मिलने से विश्वविद्यालय परिवार उत्साहित है। इसके उपरांत कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल की अगुवाई में शैक्षणिक शोभायात्रा निकाली गई।

प्रो.प्रदीप कुमार जोशी, एनटीए चेयरमैन • जागरण

दीक्षा समारोह में पीएचडी की डिग्री के वितरण के दौरान मौजूद विद्यार्थी, मुख्य अतिथि प्रो.प्रदीप कुमार जोशी व चांसलर राजीव कोठीवाल • जागरण

• आइएफटीएम विवि के समारोह में गोल्ड मेडल व डिग्री पाकर खुशी से झूमे मेधावी

प्रश्न में संशय होने पर विशेषज्ञ चेक करके निकालते हैं समाधान: प्रो. प्रदीप जोशी: उच्च शिक्षा की प्रवेश परीक्षाओं का संचालन कराने वाली एनटीए के अध्यक्ष प्रो.प्रदीप कुमार जोशी ने कहा कि अभी चुनौतियां बहुत हैं, जिन्हें पारदर्शिता रखते हुए पूरी योग्यता के साथ दूर किया जाएगा। जेईई मेन की परीक्षा में कई प्रश्न गलत आने पर बोले कि जिन प्रश्नों पर संशय रहता है, उन्हें लिखकर जो भी विद्यार्थी संस्था को भेजता है। संस्था उसे विषय विशेषज्ञों की टीम से चेक कराती है। गलत प्रश्न की पुष्टि होने पर विशेषज्ञों की टीम निर्णय लेकर एवरेज अंक देती है या उन्हें हटा दिया जाता है।

15 FEB

अमर उजाला | मुरादाबाद युवा Youth | amarujala.com | मुरादाबाद | बृहस्पतिवार, 15 फरवरी 2024 | 8

नौकरी पाना अच्छी बात, देने वाले भी बनें युवा : प्रो. जोशी

आईएफटीएम विवि के आठवें दीक्षांत समारोह में पहुंचे एनटीए के अध्यक्ष; 53 विद्यार्थियों को पीएचडी व गोल्ड मेडल से किया पुरस्कृत

दीक्षांत समारोह में बोलते अध्यक्ष प्रो. डॉ. प्रदीप जोशी। अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

मुरादाबाद। दीक्षांत समारोह किसी भी विश्वविद्यालय के लिए अपनी गौरवशाली परंपरा को सहेजते हुए विद्यार्थियों की उपलब्धियों को सराहने का दिन होता है। मैं आशा करता हूं कि यहां के छात्र भविष्य में दूसरों के लिए प्रेरणा स्रोत बनेंगे।

आज आप सफलता पूर्वक अपनी पढ़ाई कर नौकरी पाते हैं, जोकि अच्छी बात है। अच्छी बात होगी कि युवा नौकरी देने वाला बनने की सोचें। इससे विकसित व आत्मनिर्भर राष्ट्र की परिकल्पना पूरी होगी।

ये शब्द संघ लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के अध्यक्ष प्रो. डॉ. प्रदीप जोशी ने कहे। प्रो. जोशी बुधवार को आईएफटीएम विश्वविद्यालय के आठवें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे। उन्होंने 77 मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक, 53 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया। कार्यक्रम में कुल 2474 विद्यार्थियों को डिग्रियों से सम्मानित किया गया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के कुलाधिपति राजीव कोठीवाल ने विद्यार्थियों धैर्य, सतत परिश्रम व सत्य निष्ठा की शपथ दिलाई। कुलपति प्रो. महेंद्र प्रसाद पांडेय ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। कुलसचिव संजीव अग्रवाल ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर बी फार्म 2004 बैच के अभिनव श्रीवास्तव, एमबीए 2009 बैच के डॉ. अंकुर भटनागर, बीटेक (बायोटेक्नोलॉजी) 2009 बैच की श्रुति गुप्ता, एमएससी (केमिस्ट्री) 2015 बैच के हर्ष कुमार और पीएचडी लॉ 2021 बैच की डॉ. शिल्पी गुप्ता को विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया। गोल्ड मेडल और डिग्रियां पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

प्रतिकुलाधिपति अभिनव कोठीवाल, आईएफटीएम सोसायटी की सदस्या मंजू कोठीवाल, रश्मि कोठीवाल, डॉ. शमा अग्रवाल, अमित कोठीवाल, डॉ. आरके चौहान, डॉ. आरसीएस मेहता, प्रसून तिवारी, सुभाष माथुर, प्रो. नारायण सिंह, प्रो. केके मिश्रा, प्रो. एसएच अंसारी, प्रो. एके झा, प्रतिकुलपति प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रो. नवनीत वर्मा, डॉ. कुशल पाल सिंह, प्रो. अनुज श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

आईएफटीएम विवि के आठवें दीक्षांत समारोह में सम्मानित छात्र-छात्राएं व अन्य। अमर उजाला

मैं मुरादाबाद के मंडी चौक में रहती हूं। मेरे पिता राजीव वर्मा का हस्तशिल्प व्यापारी हैं। मैंने बीसीए किया है, सीजीपीए 9.37 रहा। अब एमसीए में भी गोल्ड मेडल जीतना है। कॉलेज की पढ़ाई के बाद मैं रीविजन जरूर करती हूं। व्यापार के क्षेत्र में ही मुझे कॅरिअर बनाना है। इसके लिए प्रयास जारी है। **- वैष्णवी वर्मा**

ये बोले स्वर्ण पदक विजेता मेधावी

मुझे एमएससी मैथ्स के लिए स्वर्ण पदक मिला है। मेरा सीजीपीए 10 रहा था। विश्वास था कि अच्छे अंक आएंगे लेकिन स्वर्ण पदक पाकर जैसे सपना पूरा हो गया है। मैं मुरादाबाद शहर के एक विद्यालय में पढ़ा रही हूं। मेरे पिता सेठ कुमार सिंह मेडिकल स्टोर संचालक हैं। सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक क्लास के बाद मैं खुद पढ़ती थी। अब पीएचडी करने का मन है। शिक्षा के क्षेत्र में ही कॅरिअर बनाना है। **- आकृति परिहार**

मैं रामपुर के गांव मगरमऊ का रहने वाला हूं। एमएससी एग्रोनॉमी में मैंने थीसीस के अलावा एनालिसिस पर ज्यादा जोर दिया। मेहनत का नतीजा गोल्ड मेडल के रूप में मिला है। पिता त्रिलोक चंद किसान हां। उनका सपना है कि मैं कृषि के क्षेत्र में नाम कमाऊं। हाल ही में एक कंपनी में इंटरव्यू हुआ है। मेहनत जारी है, इसी क्षेत्र में आगे बढ़ना है। **- अरविंद कुमार**

मैं कांठ कस्बे में रहती हूं। एमकॉम में मेरा सीजीपीए 9.7 रहा। सभी सेमेस्टर मैंने टॉप किए। इसलिए विश्वास था कि गोल्ड मेडल जरूर मिलेगा। इससे पहले बीकॉम में भी मैंने सारे सेमेस्टर में टॉप किया था। मेरे पिता इकराम अहमद की इलेक्ट्रानिक्स की दुकान है। मैं निजी क्षेत्र में अपना कॅरिअर बनाना चाहती हूं। **- सानिया परवीन**

मैं अमरोहा जिले का रहने वाला हूं। मैंने मैकेनिकल शाखा से एमटेक किया है। खुद पर विश्वास था और मैं हमेशा कॉन्सेप्ट क्लियर करके पढ़ता था। पिता लोकेश गोयल जनरल स्टोर चलाते हैं। मेरा सपना है कि मुझे प्रोफेसर बनना है। पापा और मैं दोनों इसके लिए मेहनत कर रहे हैं। **- अभिषेक गोयल**

15 FEB

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद में बुधवार को आईएफटीएम विवि के आठवें दीक्षांत समारोह में पीएचडी की डिग्री हासिल करने वाले विद्यार्थी। •हिन्दुस्तान

दीक्षांत समारोह में गोल्ड मेडल मिलने के बाद खुशी जताते डिग्री धारक छात्र-छात्राएं। •हिन्दुस्तान

आईएफटीएम विवि के दीक्षांत समारोह में डिग्री पाकर खिले चेहरे, मुख्य अतिथि एनटीए के अध्यक्ष प्रो. प्रदीप जोशी ने किया संबोधित

'युवा वर्तमान से रच सकते हैं सुनहरा भविष्य'

दीक्षांत समारोह

मुरादाबाद, वरिष्ठ संवाददाता। छात्र को अपनी कौशल क्षमता में इस प्रकार वृद्धि करनी चाहिए कि वे नौकरी करने की बजाय नौकरी देने वाला बन सकें। कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता। आज जों करें, पूरी उत्कृष्टता के साथ करें। यह गुण व्यक्तित्व का विकास करेगा। आज अपने वर्तमान से ही सुनहरा भविष्य आप तय कर सकते हैं। ये कहना है एनटीए के अध्यक्ष व संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार जोशी का। प्रो. जोशी बुधवार को आईएफटीएम विश्वविद्यालय के आठवें दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस दौरान 77 मेधावियों को गोल्ड व 53 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि दी गई।

विवि के कुलाधिपति राजीव कोठीवाल ने दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के बाद दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए समारोह के शुभारंभ की घोषणा की। साथ ही विद्यार्थियों को 'अखंडता की शपथ' दिलाई। कुलपति प्रो. महेंद्र प्रसाद पांडेय ने स्वागत भाषण के साथ ही विवि के शैक्षिक कार्यक्रमों की जानकारी दी। मुख्य अतिथि प्रो. जोशी ने कहा कि दीक्षांत समारोह किसी भी विवि के लिए गौरवशाली परंपरा को सहेजते हुए विद्यार्थियों की उपलब्धियों को सराहने का दिन होता है। इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों को बधाई। आप सभी अथक परिश्रम, बौद्धिक क्षमताओं एवं व्यावहारिक अनुशासन से इस दिन की सार्थकता के साक्षी बने हैं। यह समारोह सभी के लिए अनमोल, अतुलनीय और अविस्मरणीय पलों का साक्षी बनकर ज़ीवन पर्यंत आपकी स्मृति में संचित रहेगा। आप जो भी काम करें, पूरी उत्कृष्टता के साथ करें, यह गुण व्यक्तित्व का विकास करेगा तथा सामूहिक रूप से राष्ट्र और समाज को आगे ले जाएगा।

उन्होंने कहा कि भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में युवाओं का अहम योगदान होगा। प्रो. जोशी ने कहा कि विद्यार्थियों को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कथन 'मैं कर सकता हूं' से प्रेरणा लेनी चाहिए। कठिन से कठिन कार्य पूरे आत्मविश्वास से करके बड़ी से बड़ी सफलता हासिल कर सकते हैं।

मुरादाबाद में आईएफटीएम विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि प्रोफेसर प्रदीप कुमार जोशी।

'प्रतियोगी परीक्षाओं को बेहतर कराने में लगा है एनटीए'

एनटीए के अध्यक्ष प्रो. प्रदीप जोशी ने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं का संचालन एनटीए बेहतर तरीके से करा रही है। आने वाले समय में परीक्षाएं बहुत हैं, चुनौतियां भी बहुत हैं। पारदर्शी तरीके से पूरी प्लानिंग के साथ पेपर करा रहे हैं। इस दौरान जेईई मेंस की परीक्षा में आए गलत सवालों पर उन्होंने कहा कि जिन सवालों में संशय रहता है, उस पर छात्र संस्था को ईमेल के माध्यम से अपनी बात रखते हैं। उनके क्योरी को विशेषज्ञों से चेक करा रहे हैं।

विद्यार्थियों ने हवा में लहराई कैप

दीक्षांत के दौरान गोल्ड मेडल तथा डिग्रियां प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। उन्होंने कैप चूमी और हवा में लहराई व शिक्षकों और सहपाठियों के साथ सेल्फी भी ली।

डिग्री मिलने के बाद हवा में कैप उछालकर खुशी मनातीं छात्राएं।

77 मेधावियों को गोल्ड मेडल और 53 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि मिली

समारोह के दौरान 77 मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं 53 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि समेत कुल 2474 विद्यार्थियों को उपाधि दी गई। इस दौरान बीफार्म-2004 बैच के अभिनव श्रीवास्तव, एमबीए 2009 बैच के डॉ. अंकुर भटनागर, बीटेक बायोटेक्नोलॉजी 2009 बैच की श्रुति गुप्ता, एमएससी केमिस्ट्री 2015 बैच के हर्ष कुमार एवं पीएचडी लॉ, 2021 बैच की डॉ. शिल्पी गुप्ता को विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कुलपति ने पढ़ी वार्षिक प्रगति की आख्या

कुलपति प्रो. महेंद्र प्रसाद पांडेय ने विवि की वार्षिक प्रगति आख्या पढ़ी। कहा कि नैक से 'ए' ग्रेड प्राप्त होने से पूरा विवि परिवार उत्साहित है। इससे पहले कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल की अगुआई में शंकर भवन से समारोह स्थल तक 'सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा' की धुन पर शैक्षणिक शोभायात्रा निकाली गई। कार्यक्रम का संचालन प्रतिकुलपति प्रो. वैभव त्रिवेदी ने किया। यहां प्रतिकुलाधिपति अभिनव कोठीवाल, मंजू कोठीवाल, रश्मि कोठीवाल, डॉ. शमा अग्रवाल, अमित कोठीवाल, आरके चौहान, डॉ. आरसीएस मेहता, प्रसून तिवारी, सुभाष माथुर, प्रो. नारायण सिंह, प्रो. केके मिश्रा, पूर्व प्रोफेसर एके झा, प्रति कुलपति प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति प्रो. नवनीत वर्मा, वित्त अधिकारी कुशल पाल सिंह आदि रहे।

15 FEB

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हुआ 'अष्टम दीक्षांत समारोह-2024' का आयोजन

विद्यार्थी अपनी शिक्षा का उपयोग स्वस्थ सामाजिक व्यवस्था व एक विकसित राष्ट्र की संरचना के लिए करे: प्रोफेसर प्रदीप कुमार जोशी

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि व राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एन.टी.ए.), नई दिल्ली के अध्यक्ष एवं संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर प्रदीप कुमार जोशी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि "दीक्षांत समारोह किसी भी विश्वविद्यालय के लिए अपनी गौरवशाली परंपरा को सहेजते हुए अपने विद्यार्थियों की उपलब्धियों को सराहने का दिन होता है। इस अवसर पर मैं उन सभी प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को बधाई देता हूँ जो अपने अथक परिश्रम, बौद्धिक क्षमताओं एवं व्यावहारिक अनुशासन के द्वारा इस दिन की सार्थकता के साक्षी बने हैं और यह विश्वविद्यालय उन्हें पदक एवं उपाधियों से अलंकृत कर, इस दिन को आप सभी के लिए चिरस्मरणीय बना रहा है। आज का यह दीक्षांत समारोह आप सभी के लिए अनमोल, अतुलनीय और अविस्मरणीय पलों का साक्षी बनकर जीवन पर्यंत आपकी स्मृति में सींचित रहे ऐसी मेरी कामना है। मैं ऐसे मेधावी छात्र-छात्राओं के माता-पिता, अभिभावकों और शिक्षकों को भी बधाई देता हूँ। विश्वविद्यालय से उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को अपनी कौशल क्षमता में इस प्रकार वृद्धि करें कि वे नौकरी लेने की बजाय नौकरी देने वाले बनें। प्रो. जोशी ने कहा कि कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता। जो भी काम आप करें पूरी उत्कृष्टता के साथ करें, यह गुण व्यक्तित्व का विकास करेगा तथा सामूहिक रूप से हमारे राष्ट्र और समाज को आगे ले जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में युवाओं का अहम योगदान होगा। प्रो. जोशी ने कहा कि विद्यार्थियों को भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कथन "मैं कर सकता हूँ" से प्रेरणा लेनी चाहिए। आप कठिन से कठिन कार्य पूरे आत्मविश्वास से करके बड़ी से बड़ी सफलता हासिल कर सकते हैं। उन्होंने आईएफटीएम विश्वविद्यालय की निरंतर हो रही प्रगति पर आश्वस्त करते हुए कहा कि यह संस्थान एक दिन विश्व के अग्रणी शिक्षण संस्थानों में एक होगा। प्रो. जोशी ने अपने सम्बोधन में कहा कि शिक्षक और शोधार्थी शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में विश्वस्तरीय उत्कृष्ट योगदान दें। साथ ही साथ जीवन जीने का कौशल भी सीखें।

ताकि वे अपनी शिक्षा का उपयोग मानव अधिकारों, स्थायी विकास तथा वैश्विक कल्याण के लिए करें तथा वे सही मायने में वैश्विक नागरिक बन सकें। "विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री राजीव कोठीवाल ने दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के उपरान्त दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए समारोह के शुभारम्भ की घोषणा की व विद्यार्थियों को 'अखंडता की शपथ' दिलाई। कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद

पाण्डेय ने अपने स्वागत भाषण में मुख्य अतिथि प्रो. जोशी एवं मौजूद अन्य सभी का हार्दिक स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों की जानकारी दी व स्वर्ण पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रो. पाण्डेय ने विश्वविद्यालय की वार्षिक प्रगति आख्या पढ़ने के साथ ही विश्वविद्यालय को नई ऊँचाइयों तक ले जाने हेतु हर सम्भव प्रयास किये जाने के प्रति प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। प्रो. पाण्डेय ने कहा कि नैक की दूसरी साइकिल में हुए परीक्षण के उपरांत "ए" ग्रेड प्राप्त होने से पूरा विश्वविद्यालय परिवार उत्साहित है। इस सफलता का पूरा श्रेय विश्वविद्यालय के प्रबंधन, अधिकारियों, शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों, पूर्व छात्रों, नियोक्ताओं, मेधावी विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों तथा प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से जुड़े सभी लोगों को जाता है। इसके उपरान्त कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल की अगुवाई में शंकर भवन से समारोह स्थल तक 'सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्ताँ हमारा' की मधुर धुन पर शैक्षणिक शोभायात्रा निकाली गई। इस अवसर पर 77 मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं 53 शोधार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि समेत कुल 2474 विद्यार्थियों को डिग्रियों से सम्मानित किया गया। साथ ही इस दौरान बी. फार्म-2004 बैच के श्री अभिनव श्रीवास्तव, एम.बी.ए.-2009 बैच के डॉ. अंकुर भटनागर, बी.टेक (बायोटेक्नोलॉजी) -2009 बैच की सुश्री श्रुति गुप्ता, एम.एससी (कैमिस्ट्री)-2015 बैच के श्री हर्ष कुमार एवं पीएच.डी (लॉ) - 2021 बैच की डॉ. शिल्पी गुप्ता को विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया। गोल्ड मेडल व डिग्रियां पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। समारोह के दौरान गोल्ड मेडल तथा डिग्रियां प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

विद्यार्थियों ने अपनी कैप चूमी और हवा में लहराई व शिक्षकों और सहपाठियों के साथ सेल्फी भी लीं। इस अवसर पर प्रतिकुलाधिपति श्री अभिनव कोठीवाल, आईएफटीएम सोसायटी की सम्मानित सदस्या श्रीमती मंजू कोठीवाल, श्रीमती रश्मि कोठीवाल, डॉ. शमा अग्रवाल, श्री अमित कोठीवाल, शासी निकाय के सम्मानित सदस्य व पूर्वोसी, नई दिल्ली के पूर्व सचिव डॉ. आर. के. चौहान, पंतनगर कृषि विश्व विद्यालय, पंतनगर के पूर्व कुलसचिव डॉ. आर.सी.एस. मेहता, एरिक्सन इण्डिया लिमिटेड के हेड श्री प्रसून तिवारी, एडवोकेट श्री सुभाष माथुर एवं कार्य परिषद के सम्मानित सदस्य व पूर्वोसी, नई दिल्ली के पूर्व संयुक्त सचिव प्रो. नारायण सिंह, चितकारा विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के प्रतिकुलपति प्रो. के.के. मिश्रा एवं विद्या परिषद के सम्मानित सदस्य व जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय नई दिल्ली के पूर्व कुलपति प्रो. एस.एच. अंसारी, आई.आई.टी बीएचयू, वाराणसी के पूर्व प्रोफेसर ए.के. झा, मुरादाबाद जनपद के कई सम्मानित प्रशासनिक अधिकारी, मीडिया कर्मी, प्रतिकुलपति प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति प्रो. नवनीत वर्मा, वित्त अधिकारी डॉ. कुशल पाल सिंह, परीक्षा नियंत्रक प्रो. अतुल श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय के सभी संकायों के डीन, निदेशकगण अधिकारीगण विभागाध्यक्ष, शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारीगण समेत छात्र-छात्राएं एवं उनके अभिभावकगण उपस्थित रहे। मंच का सफल संचालन प्रतिकुलपति प्रो. वैभव त्रिवेदी द्वारा किया गया।

15 FEB

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हुआ ह्यअष्ट्म दीक्षांत समारोह-2024 का आयोजन

विद्यार्थी अपनी शिक्षा का उपयोग स्वस्थ सामाजिक व्यवस्था एवं एक विकसित राष्ट्र की संरचना के लिए करें-प्रोफेसर प्रदीप कुमार जोशी

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि व राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एन.टी.ए.), नई दिल्ली के अध्यक्ष एवं संघ लोक सेवा आयोग, नईदिल्ली पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर प्रदीप कुमार जोशी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह किसी भी विश्वविद्यालय के लिए अपनी गौरवशाली परंपरा को संजोते हुए अपने विद्यार्थियों की उपलब्धियों को सराहने का दिन होता है। इस अवसर पर मैं उन सभी प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को बधाई देता हूँ जो अपने अथक परिश्रम, बौद्धिक क्षमताओं एवं व्यावहारिक अनुशासन के द्वारा इस दिन की सार्थकता के साक्षी बने हैं और यह विश्वविद्यालय उन्हें पदक एवं उपाधियों से अलंकृत कर, इस दिन को आप सभी के लिए चिरस्मरणीय बना रहा है। आज का यह दीक्षांत समारोह आप सभी के लिए अनमोल, अतुलनीय और अविस्मरणीय पलों का साक्षी बनकर जीवन पर्यंत आपकी स्मृति में संचित रहे ऐसी मेरी कामना है। मैं ऐसे मेधावी छात्र-छात्राओं के माता-पिता, अभिभावकों और शिक्षकों को भी बधाई देता हूँ। विश्वविद्यालय से उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को अपनी कौशल क्षमता में इस प्रकार वृद्धि करें कि वे नौकरी लेने की बजाय नौकरी देने वाले बनें। प्रो. जोशी ने कहा कि कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता। जो भी काम आप करें पूरी उत्कृष्टता के साथ करें, यह गुण व्यक्तित्व का विकास करेगा तथा सामूहिक रूप से हमारे राष्ट्र और समाज का आगे ले जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में युवाओं का अहम योगदान होगा। प्रो. जोशी ने कहा कि विद्यार्थियों को भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कथन हमीं कर सकता हूँ.ह से प्रेरणा लेनी चाहिए। आप कठिन से कठिन कार्य पूरे आत्मविश्वास से करके बड़ी से बड़ी सफलता हासिल कर सकते हैं। उन्होंने आईएफटीएम विश्वविद्यालय की निरंतर हो रही प्रगति पर आश्वस्त करते हुए कहा कि यह संस्थान एक दिन विश्व के अग्रणी शिक्षण संस्थानों में एक होगा। प्रो. जोशी ने अपने सम्बोधन में कहा कि शिक्षक और शोधार्थी शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में विश्वस्तरीय उत्कृष्ट योगदान दें। साथ ही साथ जीवन जीने का कौशल भी सीखें। ताकि वे अपनी शिक्षा का उपयोग मानव अधिकारों, स्थायी विकास तथा वैश्विक कल्याण के लिए करें तथा वे सही मायने में वैश्विक नागरिक बन सकें।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति राजीव कोठीवाल ने दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के उपरान्त दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए समारोह के शुभारम्भ की घोषणा की व विद्यार्थियों को अखंडता की शपथ दिलाई। कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने अपने स्वागत भाषण में मुख्य अतिथि प्रो. जोशी एवं मौजूद अन्य सभी का हार्दिक स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों की जानकारी दी व स्वर्ण पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रो. पाण्डेय ने विश्वविद्यालय की वार्षिक प्रगति आख्या पढ़ने के साथ ही विश्वविद्यालय को नई ऊँचाइयों तक ले जाने हेतु हर सम्भव प्रयास किये जाने के प्रति प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। प्रो. पाण्डेय ने कहा कि नैक की दूसरी साइकिल में हुए परीक्षण के उपरांत हाइड ग्रेड प्राप्त होने से पूरा विश्वविद्यालय परिवार उत्साहित है। इस सफलता का पूरा श्रेय विश्वविद्यालय के प्रबंधन, अधिकारियों, शिक्षक एवं शिक्षणेतर कर्मचारियों, पूर्व छात्रों, नियोक्ताओं, मेधावी विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों तथा प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से जुड़े सभी लोगों को जाता है। इसके उपरान्त कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल की अगुवाई में शंकर भवन से समारोह स्थल तक सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्ताँ हमारा की मधुर धुन पर शैक्षणिक शोभायात्रा निकाली गई।

इस अवसर पर 77 मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं 53 शोधार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि समेत कुल 2474 विद्यार्थियों को डिग्रियों से सम्मानित किया गया। साथ ही इस दौरान बी.फार्म-2004 बैच के श्री अभिनव श्रीवास्तव, एम.बी.ए.-2009 बैच के डॉ. अंकुर भटनागर, बी.टेक (बायोटैक्नोलॉजी) -2009 बैच की सुश्री श्रुति गुप्ता, एम.एससी (कैमिस्ट्री)-2015 बैच के श्री हर्ष कुमार एवं पीएच.डी (लॉ)- 2021 बैच की डॉ. शिल्पी गुप्ता को विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया। गोल्ड मेडल व डिग्रियां पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे समारोह के दौरान गोल्ड मेडल तथा डिग्रियां प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। विद्यार्थियों ने अपनी कैप चूमी और हवा में लहराई व शिक्षकों और सहपाठियों के साथ सेल्फी भी ली।

अवसर पर प्रतिकुलाधिपति श्री अभिनव कोठीवाल, आईएफटीएम सोसायटी की सम्मानित सदस्या मंजू कोठीवाल, रश्मि कोठीवाल, डॉ. रामा अग्रवाल, अमित कोठीवाल, शासी निकाय के सम्मानित सदस्य व यूजीसी, नई दिल्ली के पूर्व सचिव डॉ. आर. के. चौहान, पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय, पंतनगर के पूर्व कुलसचिव डॉ. आर.सी.एस. मेहता, ऐरेक्सन इण्डिया लिमिटेड के हेड श्री प्रसून तिवारी, एडवोकेट श्री सुभाष माथुर एवं कार्य परिषद के सम्मानित सदस्य व यूजीसी, नई दिल्ली के पूर्व संयुक्त सचिव प्रो. नारायण सिंह, चितकारा विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के प्रतिकुलपति प्रो. के.के. मिश्रा एवं विद्या परिषद के सम्मानित सदस्य व जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय नई दिल्ली के पूर्व कुलपति प्रो. एस.एच. अंसारी, आई.आई.टी बीएचयू, वाराणसी के पूर्व प्रोफेसर ए.के. झा, मुरादाबाद जनपद के कई सम्मानित प्रशासनिक अधिकारी, मीडियाकर्मी, प्रतिकुलपति प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति प्रो. नवनीत वर्मा, वित्त अधिकारी डॉ. कुशल पाल सिंह, परीक्षा नियंत्रक प्रो. अनुज श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय के सभी संकायों के डीन, निदेशकगण, अधिकारीगण, विभागाध्यक्ष, शिक्षक व शिक्षणेतर कर्मचारीगण समेत छात्र-छात्राएं एवं उनके अभिभावकगण उपस्थित रहे। मंच का सफल संचालन प्रतिकुलपति प्रो. वैभव त्रिवेदी द्वारा किया गया। चि0

15 FEB

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हुआ अष्टम दीक्षांत समारोह-2024

राष्ट्र निर्माण में करें शिक्षा का प्रयोगः प्रो. जोशी

- बोले, पीएम के मैं कर सकता हूं कथन से प्रेरणा लें यूनिवर्सिटी के विद्यार्थी
- चांसलर राजीव कोठीवाल ने विद्यार्थियों को दिलाई अखंडता की शपथ
- कुलपति डॉ एमपी पाण्डेय ने पढ़ी विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट

विश्वविद्यालय के 2474 विद्यार्थियों को बांटी गयी डिग्रीयां

इस अवसर पर 77 मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं 53 शोधार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि समेत कुल 2474 विद्यार्थियों को डिग्रियों से सम्मानित किया गया। साथ ही इस दौरान बी.फार्म-2004 बैच के अभिनव श्रीवास्तव, एम.बी.ए.-2009 बैच के डॉ. अंकुर भटनागर, बी.टेक (बायोटैक्नोलॉजी)-2009 बैच की श्रुति गुप्ता, एम.एससी (कैमिस्ट्री)-2015 बैच के हर्ष कुमार एवं पीएच.डी (लॉ)- 2021 बैच की डॉ. शिल्पी गुप्ता को विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

गोल्ड मेडल व डिग्रियां पाकर खिल उठे विद्यार्थियों के चेहरे

गोल्ड मेडल तथा डिग्रियां प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के चेहरे खिल उठे। विद्यार्थियों ने अपनी कैप चूमी और हवा में लहराई व शिक्षकों और सहपाठियों के साथ सेल्फी भी ली।

सनेश ठाकुर

मुरादाबाद (विधान केसरी)। बुधवार को आईएफटीएम यूनिवर्सिटी मुरादाबाद के आठवें दीक्षांत समारोह में पहुंचे एनटीए यानि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी और यूपीएससी के पूर्व चेयरमैन प्रो. प्रदीप कुमार जोशी ने विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज के दीक्षांत समारोह मे विश्वविद्यालय से उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी अपनी कौशल क्षमता में इस प्रकार वृद्धि करें कि वे नौकरी लेने की बजाय नौकरी देने वाले बनें, उन्होने कहा कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता जो भी काम आप करें पूरी उत्कृष्टता के साथ करें, यह गुण व्यक्तित्व का विकास करेगा तथा सामूहिक रुप से हमारे राष्ट्र और समाज का आगे ले जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में युवाओं का अहम योगदान होगा और विद्यार्थिया को भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कथन मैं कर सकता हूँ से प्रेरणा लेनी चाहिए, आप कठिन से कठिन कार्य पूरे आत्मविश्वास से करके बड़ी से बड़ी सफलता हासिल कर सकते हैं। प्रो. जोशी ने आईएफटीएम विश्वविद्यालय के शुरूआती दिनों का जिक्र करते हुए कहा कि दो कोर्सों के साथ शुरू हुआ विश्वविद्यालय आज एक विशालकाय शिक्षण संस्थान का रूप ले चुका है जहां साढ़े 13 हजार विद्यार्थी और साढ़े 5 सौ से भी ज्यादा शिक्षक शिक्षिकायें हैं।

दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि व राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एन.टी.ए.), नई दिल्ली के अध्यक्ष एवं संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर प्रदीप कुमार जोशी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए आगे कहा कि दीक्षांत समारोह किसी भी विश्वविद्यालय के लिए अपनी गौरवशाली परंपरा को सहेजते हुए अपने विद्यार्थियों की उपलब्धियों को सराहने का दिन होता है। इस अवसर पर मैं उन सभी प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को बधाई देता हूँ जो अपने अथक परिश्रम, बौद्धिक क्षमताओं एवं व्यावहारिक अनुशासन के द्वारा इस दिन की सार्थकता के साक्षी बने हैं और यह विश्वविद्यालय उन्हें पदक एवं उपाधियों से अलंकृत कर, इस दिन को आप सभी के लिए चिरस्मरणीय बना रहा है। आज का यह दीक्षांत समारोह आप सभी के लिए अनमोल, अतुलनीय और अविस्मरणीय पलों का साक्षी बनकर जीवन पर्यंत आपकी स्मृति में संचित रहे ऐसी मेरी कामना है। मै ऐसे मेधावी छात्र-छात्राओं के माता-पिता, अभिभावकों और शिक्षकों को भी बधाई देता हूँ। उन्होंने आईएफटीएम विश्वविद्यालय की निरंतर हो रही प्रगति पर आश्वस्त करते हुए कहा कि यह संस्थान एक दिन विश्व के अग्रणी शिक्षण संस्थानों में एक होगा। प्रो. जोशी ने अपने सम्बोधन में कहा कि शिक्षक और शोधार्थी शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में विश्वस्तरीय उत्कृष्ट योगदान दें। साथ ही साथ जीवन जीने का कौशल भी सीखें। ताकि वे अपनी शिक्षा का उपयोग मानव अधिकारों, स्थायी विकास तथा वैश्विक कल्याण के लिए करें तथा वे सही मायने में वैश्विक नागरिक बन सकें।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री राजीव कोठीवाल ने दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के उपरान्त दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए समारोह के शुभारम्भ की घोषणा की व विद्यार्थियों को अखंडता की शपथ दिलाई। कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने अपने स्वागत भाषण में मुख्य अतिथि प्रो. जोशी एवं मौजूद अन्य सभी का हार्दिक स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों की जानकारी दी व स्वर्ण पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले युवाओं के उज्वल भविष्य की कामना की। प्रो. पाण्डेय ने विश्वविद्यालय की वार्षिक प्रगति आख्या पढ़ने के साथ ही विश्वविद्यालय को नई ऊँचाइयों तक ले जाने हेतु हर सम्भव प्रयास किये जाने के प्रति प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। प्रो. पाण्डेय ने कहा कि नेक की दूसरी सायकिल में हुए परीक्षण के उपरांत ए ग्रेड प्राप्त होने से पूरा विश्वविद्यालय परिवार उत्साहित है। इस सफलता का पूरा श्रेय विश्वविद्यालय के प्रबंधन, अधिकारियों, शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों, पूर्व छात्रों, नियात्ताओं, मेधावी विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों तथा प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से जुड़े सभी लोगों को जाता है। इसके उपरान्त कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल की अगुवाई में शंकर भवन से समारोह स्थल तक हासारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्ताँ हमाराह्म की मधुर धुन पर शैक्षणिक शोभायात्रा निकाली गई।

इस अवसर पर प्रतिकुलाधिपति श्री अभिनव कोठीवाल, आईएफटीएम सोसायटी की सम्मानित सदस्या श्रीमती मंजू कोठीवाल, श्रीमती रश्मि कोठीवाल, डॉ. शमा अग्रवाल, श्री अमित कोठीवाल, शासी निकाय के सम्मानित सदस्य व यूजीसी, नई दिल्ली के पूर्व सचिव डॉ. आर. के. चौहान, पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय, पंतनगर के पूर्व कुलसचिव डॉ. आर.सी.एस. मेहता, एरेक्सन इण्डिया लिमिटेड के हेड प्रसून तिवारी, एड्वोकेट सुभाष माथुर एवं कार्य परिषद के सम्मानित सदस्य व यूजीसी, नई दिल्ली के पूर्व संयुक्त सचिव प्रो. नारायण सिंह, चितकारा विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के प्रतिकुलपति प्रो. के.के. मिश्रा एवं विद्या परिषद के सम्मानित सदस्य व जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय नई दिल्ली के पुर्व कुलपति प्रो. एस.एच. अंसारी, आई.आई.टी बीएचयू, वाराणसी के पूर्व प्रोफेसर ए.के. झा, मुरादाबाद जनपद के कई सम्मानित प्रशासनिक अधिकारी, मीडियाकर्मी, प्रतिकुलपति प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति प्रो. नवनीत वर्मा, वित्त अधिकारी डॉ. कुशल पाल सिंह, परीक्षा नियंत्रक प्रो. अनुज श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय के सभी संकायों के डीन, निदेशकगण, अधिकारीगण, विभागाध्यक्ष, शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारीगण समेत छात्र-छात्राएं एवं उनके अभिभावकगण उपस्थित रहे। मंच का सफल संचालन प्रतिकुलपति प्रो. वैभव त्रिवेदी द्वारा किया गया।

15 FEB

हुकूमत एक्सप्रेस
हिन्दी दैनिक, मुरादाबाद
सम्पादकीय
मुरादाबाद
www.hukoomatexpress.com 2
गुरूवार 15 फरवरी 2024

सम्पादकीय

आखिर आई अच्छी खबर

कतर में सजायाफ्ता भारतीय नौ सेना के पूर्व कर्मचारियों की रिहाई की खबर सुखद आश्चर्य की तरह आई है। बेशक इसे संभव करा पाना भारत सरकार की एक बड़ी कूटनीतिक सफलता है। ये कर्मी कतर की एक नौवहन कंपनी में नौकरी करने गए। लेकिन उन्हें वहां इजराइल के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। पिछले साल कतर की एक अदालत ने उन्हें इस जुर्म में मौत की सजा सुना दी। लाजिमी है कि इस घटनाक्रम से भारतवासी आहत थे। उसके बाद संभवतः भारत सरकार ने इस मुद्दे को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। दिसंबर में जब संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में भाग लेने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूएई गए, तब वहां उनकी कतर के अमीर से मुलाकात हुई थी। समझा जाता है कि वहीं से इन कर्मियों की रिहाई की जमीन तैयार हुई। पहले कदम के तौर पर एक अपील अदालत ने कैदियों के मृत्युदंड को माफ कर दिया। अब अचानक यह खबर आई है कि आठ में सात कर्मी भारत पहुंच चुके हैं। उनके सकुशल यहां आ जाने के बाद भारत सरकार ने यह खबर सार्वजनिक की।बहरहाल, यह मामला कुछ सवाल हमारे सामने छोड़ गया है, जिन पर गंभीर चर्चा की जरूरत है। आज के तीखे ध्रुवीकरण के माहौल में एक बड़ा नुकसान यह है कि ऐसी बारीक चर्चा की गुंजाइश बेहद सिकुड़ी हुई है। इसके बीच ऐसी हर घटना को प्रधानमंत्री मोदी की कामयाबी या नाकामी से जोड़ दिया जाता है। यह घटना भी इसका अपवाद नहीं है। बहरहाल, इस मुद्दे पर अवश्य चर्चा होनी चाहिए कि क्या विदेश में जाकर किसी अपराध में शामिल होने वाले हर भारतीय को बचाना भारत सरकार का कर्त्तव्य है? या कोई व्यक्ति अपने कार्यों के लिए खुद जवाबदेह है? यह सवाल उस समय और महत्त्वपूर्ण हो गया है, जब भारत सरकार ने अन्य देशों के साथ समझौता करके अपने श्रमिकों को वहां भेजने की नीति अपना ली है। वैसे महत्त्वपूर्ण प्रश्न यह भी है कि क्या ऐसी नीति

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हुआ अष्टम दीक्षांत समारोह-2024 का आयोजन

* विद्यार्थी अपनी शिक्षा का उपयोग स्वस्थ सामाजिक व्यवस्था एवं एक विकसित राष्ट्र की संरचना के लिए करें। -प्रोफेसर प्रदीप कुमार जोशी

* डा.शैली भारद्वाज अस्टि. पोफेसर को कम्प्यूटर साइन्स एण्ड इंजीनियरिंग में पी.एच. डी.उपाधि की डिग्री-

हुकूमत एक्सप्रेस

मुरादाबाद। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि व राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एन.टी.ए.), नई दिल्ली के अध्यक्ष एवं संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर प्रदीप कुमार जोशी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह किसी भी विश्वविद्यालय के लिए अपनी गौरवशाली परंपरा को सहेजते हुए अपने विद्यार्थियों की उपलब्धियों को सराहने का दिन होता है। इस अवसर पर मैं उन सभी प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को बधाई देता हूँ जो अपने अथक परिश्रम, बौद्धिक क्षमताओं एवं व्यावहारिक अनुशासन के द्वारा इस दिन की सार्थकता के साक्षी बने हैं और यह विश्वविद्यालय उन्हें पदक एवं उपाधियों से अलंकृत कर, इस दिन को आप सभी के लिए चिरस्मरणीय बना रहा है। आज का यह दीक्षांत समारोह आप सभी के लिए अनमोल, अतुलनीय और अविस्मरणीय पलों का साक्षी बनकर जीवन पर्यंत आपकी स्मृति में संचित रहे ऐसी मेरी कामना है। मैं ऐसे मेधावी छात्र-छात्राओं के माता-पिता, अभिभावकों और शिक्षकों को भी बधाई देता हूँ। विश्वविद्यालय से उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों से अपनी कौशल क्षमता में इस प्रकार वृद्धि करें कि वे नौकरी लेने की बजाय नौकरी देने वाले बनें। प्रो. जोशी ने कहा कि कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता। जो भी काम आप करें पूरी उत्कृष्टता के साथ करें, यह गुण व्यक्तित्व का विकास करेगा तथा सामूहिक रूप से हमारे राष्ट्र और समाज को आगे ले जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में युवाओं का अहम योगदान होगा। प्रो. जोशी ने कहा कि विद्यार्थियों को भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कथन हमें कर सकता हूँ से प्रेरणा लेनी चाहिए। आप कठिन से कठिन कार्य पूरे आत्मविश्वास से करके बड़ी से बड़ी सफलता हासिल कर सकते हैं। उन्होंने आईएफटीएम विश्वविद्यालय की निरंतर हो रही प्रगति पर आश्वस्त करते हुए कहा कि यह संस्थान एक दिन विश्व के अग्रणी शिक्षण संस्थानों में एक होगा। प्रो. जोशी ने अपने सम्बोधन में कहा कि शिक्षक और शोधार्थी शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में विश्वस्तरीय उत्कृष्ट योगदान दें। साथ ही साथ जीवन जीने का कौशल भी सीखें। ताकि वे अपनी शिक्षा का उपयोग मानव अधिकारों, स्थायी विकास तथा वैश्विक कल्याण के लिए करें तथा वे सही मायने में वैश्विक नागरिक बन सकें।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री राजीव कोठीवाल ने दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के उपरान्त दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए समारोह के शुभारम्भ की घोषणा की व विद्यार्थियों को

राष्ट्र अखंडता की शपथ दिलाई। कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने अपने स्वागत भाषण में मुख्य अतिथि प्रो. जोशी एवं मौजूद अन्य सभी का हार्दिक स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों की जानकारी दी व स्वर्ण पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रो. पाण्डेय ने विश्वविद्यालय की वार्षिक प्रगति आख्या पढ़ने के साथ ही विश्वविद्यालय को नई ऊँचाइयों तक ले जाने हेतु हर सम्भव प्रयास किये जाने के प्रति प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। प्रो. पाण्डेय ने कहा कि नैक की दूसरे साइकिल में हुए परीक्षण के उपरांत [illegible] ग्रेड प्राप्त होने से पूरा विश्वविद्यालय परिवार उत्साहित है। इस सफलता का पूरा श्रेय विश्वविद्यालय के प्रबंधन, अधिकारियों, शिक्षक एवं शिक्षणेतर कर्मचारियों, पूर्व छात्रों, नियोक्ताओं, मेधावी विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों तथा प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से जुड़े सभी लोगों को जाता है। इसके उपरान्त कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल की अगुवाई में शंकर भवन से समारोह स्थल तक हाथी जहाँ से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा की मधुर धुन पर शैक्षणिक शोभायात्रा निकाली गई।

इस अवसर पर 77 मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं 53 शोधार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि समेत कुल 2474 विद्यार्थियों को डिग्रियों से सम्मानित किया गया। साथ ही इस दौरान बी.फार्म-2004 बैच के श्री अभिनव श्रीवास्तव, एम.बी.ए.-2009 बैच के डॉ. अंकुर भटनागर, बी.टेक (बायोटेक्नोलॉजी) - 2009 बैच की सुश्री श्रुति गुप्ता, एम.एससी (केमिस्ट्री)-2015 बैच के श्री हर्ष कुमार एवं पीएच.डी (लॉ)- 2021 बैच की डॉ. शिल्पी गुप्ता को विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर आई एफ टी एम विश्वविद्यालय की असिट .प्रोफेसर डा.शैली भारद्वाज को कम्प्यूटर साइन्स एण्ड इंजीनियरिंग पी.एच. डी.की उपाधि की डिग्री मुख्यअतिथि प्रदीप कुमार जोशी के कर कमलों द्वारा प्रदान की गई।

गोल्ड मेडल व डिग्रियां पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे

समारोह के दौरान गोल्ड मेडल तथा डिग्रियां प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। विद्यार्थियों ने अपनी कैप चूमी और हवा में लहराई व शिक्षकों और सहपाठियों के साथ सेल्फी भी लीं।

इस अवसर पर प्रतिकुलाधिपति श्री अभिनव कोठीवाल, आईएफटीएम सोसायटी की सम्मानित सदस्या श्रीमती मंजू कोठीवाल, श्रीमती रश्मि कोठीवाल, डॉ. रमा अग्रवाल, श्री अमित कोठीवाल, शासी निकाय के सम्मानित सदस्य व यूजीसी नई दिल्ली के पूर्व सचिव डॉ. आर. के. चौहान, पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय, पंतनगर के पूर्व कुलसचिव डॉ. आर.सी.एस. मेहता, ऐरिक्सन इण्डिया लिमिटेड के हेड श्री प्रसून तिवारी, एडवोकेट श्री सुकांत माथुर एवं कार्य परिषद के सम्मानित सदस्य व यूजीसी, नई दिल्ली के पूर्व संयुक्त सचिव प्रो. नारायण सिंह, चितकारा विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के प्रतिकुलपति प्रो. के.के. मिश्रा एवं विद्या परिषद के सम्मानित सदस्य व जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय नई दिल्ली के पूर्व कुलपति प्रो. एस.एच. अंसारी, आई.आई.टी बीएचयू वाराणसी के पूर्व प्रोफेसर ए.के. झा, मुरादाबाद जनपद के कई सम्मानित प्रशासनिक अधिकारी, मीडियाकर्मी, प्रतिकुलपति प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति प्रो. नवनीत वर्मा, वित्त अधिकारी डॉ. कुशल पाल सिंह, परीक्षा नियंत्रक प्रो. अनुज श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय के सभी संकायों के डीन, निदेशकगण, अधिकारीगण विभागाध्यक्ष, शिक्षक व शिक्षणेतर कर्मचारीगण समेत छात्र-छात्राएं एवं उनके अभिभावकगण उपस्थित रहे। मंच का सफल संचालन प्रतिकुलपति प्रो. वैभव त्रिवेदी द्वारा किया गया।

15 FEB

उत्तर केसरी अपना महानग

विद्यार्थी अपनी शिक्षा का उपयोग विकसित राष्ट्र की संरचना के लिए करें : प्रो. प्रदीप कुमार जोशी

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 'अष्टम दीक्षांत समारोह-2024' का भव्य आयोजन

(उत्तर केसरी संवाददाता)

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 'अष्टम दीक्षांत समारोह-2024' का भव्य आयोजन हुआ। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथिएनटीए के अध्यक्ष व संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार जोशी ने कहा कि विद्यार्थी अपनी शिक्षा का उपयोग स्वस्थ सामाजिक व्यवस्था एवं एक विकसित राष्ट्र की संरचना के लिए करें। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह किसी भी विश्वविद्यालय के लिए अपनी गौरवशाली परंपरा को सहेजते हुए अपने विद्यार्थियों की उपलब्धियों को सराहने का दिन होता हैं। आईएफटीएम के आठवें दीक्षांत समारोह में 77 मेधावियों को गोल्ड व 53 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि दी गई।

प्रो. प्रदीप कुमार जोशी ने आगे कहा कि छात्र को अपनी कौशल क्षमता में इस प्रकार वृ(करनी चाहिए कि वे नौकरी करने की बजाय नौकरी देने वाला बन सकें। कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता। आज जो करें, पूरी उत्कृष्टता के साथ करें। यह गुण व्यक्तित्व का विकास करेगा। आज अपने वर्तमान से ही सुनहरा भविष्य आप तय कर सकते हैं।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय कुलाधिपति राजीव कोठीवाल ने दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के बाद दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए समारोह के शुभारंभ की घोषणा की। साथ ही विद्यार्थियों को अखंडता की शपथ दिलाई। कुलपति प्रो. महेंद्र प्रसाद पांडेय ने स्वागत भाषण के साथ ही विवि के शैक्षिक कार्यक्रमों की जानकारी दी। मुख्य अतिथि प्रो. जोशी ने कहा कि दीक्षांत समारोह किसी भी विवि के लिए गौरवशाली परंपरा को सहेजते हुए विद्यार्थियों की उपलब्धियों को सराहने का दिन होता है। इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों को बधाई। आप सभी अथक परिश्रम, बौ(िक क्षमताओं एवं व्यावहारिक अनुशासन से इस दिन की सार्थकता के साक्षी बने हैं। यह समारोह सभी के लिए अनमोल, अतुलनीय और अविस्मरणीय पलों का साक्षी बनकर जीवन पर्यंत आपकी स्मृति में संचित रहेगा। आप जो भी काम करें, पूरी उत्कृष्टता के साथ करें, यह गुण व्यक्तित्व का विकास करेगा तथा सामूहिक रूप से राष्ट्र और समाज को आगे ले जाएगा।

14 FEB

मुरादाबाद

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हुआ अष्टम दीक्षांत समारोह-2024

राष्ट्र निर्माण में करें शिक्षा का प्रयोगः प्रो. जोशी

सनेश ठाकुर

मुरादाबाद (विधान केसरी)। बुधवार को आईएफटीएम यूनिवर्सिटी मुरादाबाद के आठवें दीक्षांत समारोह में पहुंचे एनटीए यानि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी और यूपीएससी के पूर्व चेयरमैन प्रो. प्रदीप कुमार जोशी ने विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज के दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय से उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी अपनी कौशल क्षमता में इस प्रकार वृद्धि करें कि वे नौकरी लेने की बजाय नौकरी देने वाले बनें, उन्होने कहा कोई भी काम छोटा या बड़ा नही होता जो भी काम आप करें पूरी उत्कृष्टता के साथ करें, यह गुण व्यक्तित्व का विकास करेगा तथा सामूहिक रुप से हमारे राष्ट्र और समाज का आगे ले जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में युवाओं का अहम योगदान होगा और विद्यार्थिया को भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कथन मैं कर सकता हूँ से प्रेरणा लेनी चाहिए, आप कठिन से कठिन कार्य पूरे आत्मविश्वास से करके बड़ी से बड़ी सफलता हासिल कर सकते हैं। प्रो. जोशी ने आईएफटीएम विश्वविद्यालय के शुरूआती दिनों का जिक्र करते हुए कहा कि दो कोर्सों के साथ शुरू हुआ विश्वविद्यालय आज एक विशालकाय शिक्षण संस्थान का रूप ले चुका है जहां साढ़े 13 हजार विद्यार्थी और साढ़े 5 सौ से भी ज्यादा शिक्षक शिक्षिकायें हैं।

दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि व राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एन.टी.ए.), नई दिल्ली के अध्यक्ष एवं संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर प्रदीप कुमार जोशी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए आगे कहा कि दीक्षांत समारोह किसी भी विश्वविद्यालय के लिए अपनी गौरवशाली परंपरा को सहेजते हुए अपने विद्यार्थियों की उपलब्धियों को सराहने का दिन होता है। इस अवसर पर मैं उन सभी प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को बधाई देता हूँ जो अपने अथक परिश्रम, बौद्धिक क्षमताओं एवं व्यावहारिक अनुशासन के द्वारा इस दिन की सार्थकता के साक्षी बने हैं और यह विश्वविद्यालय उन्हें पदक एवं उपाधियों से अलंकृत कर, इस दिन को आप सभी के लिए चिरस्मरणीय बना रहा है। आज का यह दीक्षांत समारोह आप सभी के लिए अनमोल, अतुलनीय और अविस्मरणीय पलों का साक्षी बनकर जीवन पर्यंत आपकी स्मृति में संचित रहे ऐसी मेरी कामना है। मैं ऐसे मेधावी छात्र-छात्राओं के माता-पिता, अभिभावकों और शिक्षकों को भी बधाई देता हूँ। उन्होंने आईएफटीएम विश्वविद्यालय की निरंतर हो रही प्रगति पर आश्वस्त करते हुए कहा कि यह संस्थान एक दिन विश्व के अग्रणी शिक्षण संस्थानों में एक होगा। प्रो. जोशी ने अपने सम्बोधन में कहा कि शिक्षक और शोधार्थी शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में विश्वस्तरीय उत्कृष्ट योगदान दें। साथ ही साथ जीवन जीने का कौशल भी सीखें। ताकि वे अपनी शिक्षा का उपयोग मानव अधिकारों, स्थायी विकास तथा वैश्विक कल्याण के लिए करें तथा वे सही मायने में वैश्विक नागरिक बन सकें।

- बोले, पीएम के मैं कर सकता हूं कथन से प्रेरणा लें यूनिवर्सिटी के विद्यार्थी
- चांसलर राजीव कोठीवाल ने विद्यार्थियों को दिलाई अखंडता की शपथ
- कुलपति डॉ एमपी पाण्डेय ने पढ़ी विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री राजीव कोठीवाल ने दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के उपरान्त दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए समारोह के शुभारम्भ की घोषणा की व विद्यार्थियों को अखंडता की शपथ दिलाई। कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने अपने स्वागत भाषण में मुख्य अतिथि प्रो. जोशी एवं मौजूद अन्य सभी का हार्दिक स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों की जानकारी दी व स्वर्ण पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले युवाओं के उज्वल भविष्य की कामना की। प्रो. पाण्डेय ने विश्वविद्यालय की वार्षिक प्रगति आख्या पढ़ने के साथ ही विश्वविद्यालय को नई ऊँचाइयों तक ले जाने हेतु हर सम्भव प्रयास किये जाने के प्रति प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। प्रो. पाण्डेय ने कहा कि नेक की दूसरी सायकिल में हुए परीक्षण के उपरांत ए ग्रेड प्राप्त होने से पूरा विश्वविद्यालय परिवार उत्साहित है। इस सफलता का पूरा श्रेय विश्वविद्यालय के प्रबंधन, अधिकारियों, शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों, पूर्व छात्रों, नियात्ताओं, मेधावी विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों तथा प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से जुड़े सभी लोगों को जाता है। इसके उपरान्त कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल की अगुवाई में शंकर भवन से समारोह स्थल तक हसारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्ताँ हमाराह्म की मधुर धुन पर शैक्षणिक शोभायात्रा निकाली गई।

विश्वविद्यालय के 2474 विद्यार्थियों को बांटी गयी डिग्रीयां

इस अवसर पर 77 मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं 53 शोधार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि समेत कुल 2474 विद्यार्थियों को डिग्रियों से सम्मानित किया गया। साथ ही इस दौरान बी.फार्म-2004 बैच के अभिनव श्रीवास्तव, एम.बी.ए.-2009 बैच के डॉ. अंकुर भटनागर, बी.टेक (बायोटैक्नोलॉजी)-2009 बैच की श्रुति गुप्ता, एम.एससी (कैमिस्ट्री)-2015 बैच के हर्ष कुमार एवं पीएच.डी (लॉ)- 2021 बैच की डॉ. शिल्पी गुप्ता को विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

गोल्ड मेडल व डिग्रियां पाकर खिल उठे विद्यार्थियों के चेहरे

गोल्ड मेडल तथा डिग्रियां प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के चेहरे खिल उठे। विद्यार्थियों ने अपनी कैप चूमी और हवा में लहराई व शिक्षकों और सहपाठियों के साथ सेल्फी भी लीं।

इस अवसर पर प्रतिकुलाधिपति श्री अभिनव कोठीवाल, आईएफटीएम सोसायटी की सम्मानित सदस्या श्रीमती मंजू कोठीवाल, श्रीमती रश्मि कोठीवाल, डॉ. शमा अग्रवाल, श्री अमित कोठीवाल, शासी निकाय के सम्मानित सदस्य व यूजीसी, नई दिल्ली के पूर्व सचिव डॉ. आर. के. चौहान, पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय, पंतनगर के पूर्व कुलसचिव डॉ. आर.सी.एस. मेहता, एरेक्सन इण्डिया लिमिटेड के हेड प्रसून तिवारी, एडवोकेट सुभाष माथुर एवं कार्य परिषद के सम्मानित सदस्य व यूजीसी, नई दिल्ली के पूर्व संयुक्त सचिव प्रो. नारायण सिंह, चितकारा विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के प्रतिकुलपति प्रो. के.के. मिश्रा एवं विद्या परिषद के सम्मानित सदस्य व जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय नई दिल्ली के पुर्व कुलपति प्रो. एस.एच. अंसारी, आई.आई.टी बीएचयू, वाराणसी के पूर्व प्रोफेसर ए.के. झा, मुरादाबाद जनपद के कई सम्मानित प्रशासनिक अधिकारी, मीडियाकर्मी, प्रतिकुलपति प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति प्रो. नवनीत वर्मा, वित्त अधिकारी डॉ. कुशल पाल सिंह, परीक्षा नियंत्रक प्रो. अनुज श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय के सभी संकायों के डीन, निदेशकगण, अधिकारीगण, विभागाध्यक्ष, शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारीगण समेत छात्र-छात्राएं एवं उनके अभिभावकगण उपस्थित रहे। मंच का सफल संचालन प्रतिकुलपति प्रो. वैभव त्रिवेदी द्वारा किया गया।

14 FEB

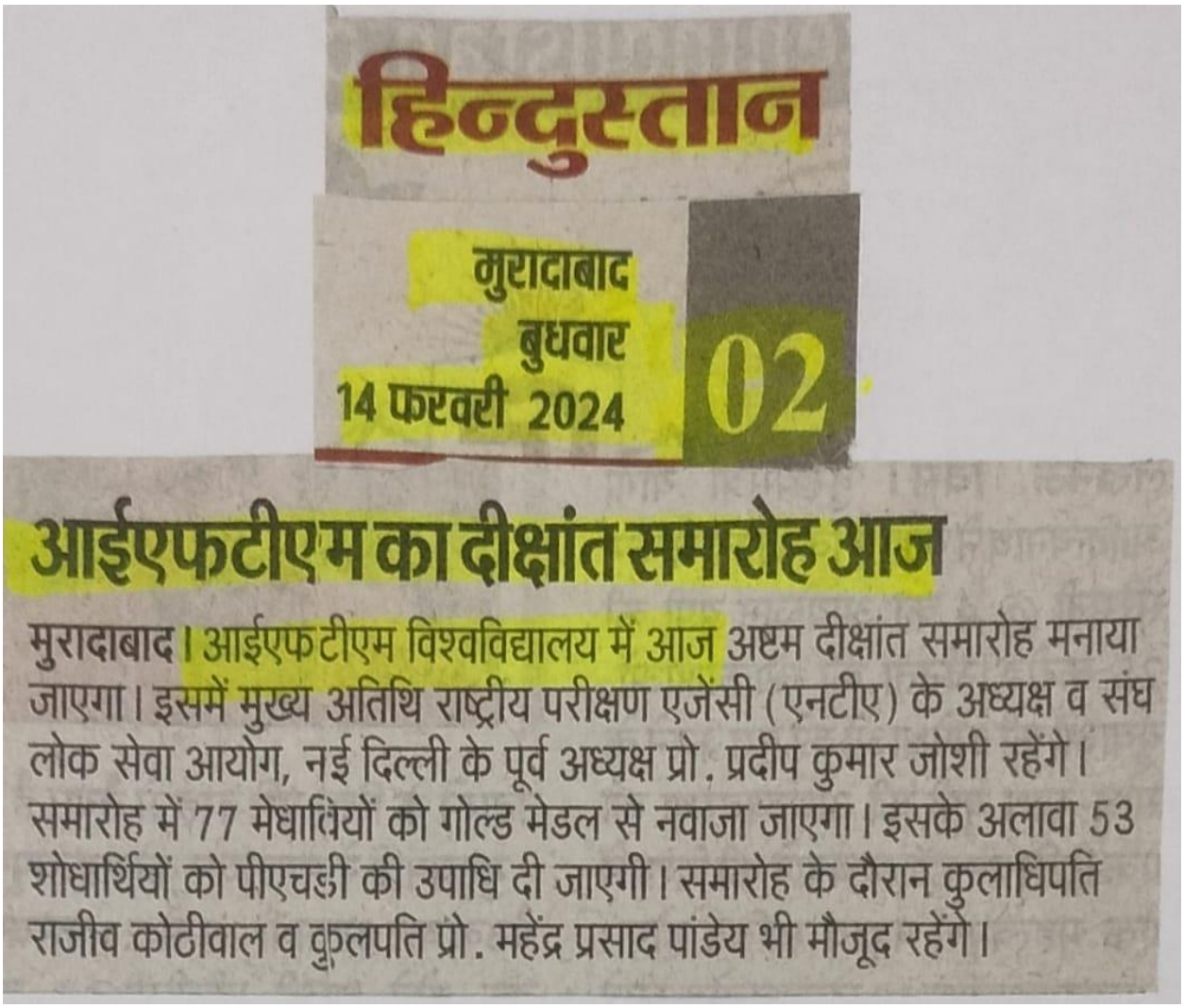

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद
बुधवार
14 फरवरी 2024

02

आईएफटीएम का दीक्षांत समारोह आज

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आज अष्टम दीक्षांत समारोह मनाया जाएगा। इसमें मुख्य अतिथि राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के अध्यक्ष व संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार जोशी रहेंगे। समारोह में 77 मेधावियों को गोल्ड मेडल से नवाजा जाएगा। इसके अलावा 53 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि दी जाएगी। समारोह के दौरान कुलाधिपति राजीव कोठीवाल व कुलपति प्रो. महेंद्र प्रसाद पांडेय भी मौजूद रहेंगे।

14 FEB

दैनिक जागरण | 5

मुरादाबाद, 14 फरवरी, 2024

दीक्षा समारोह : आइएफटीएम यूनिवर्सिटी का अष्टम दीक्षा समारोह पूर्वाह्न 11:30 बजे।

14 FEB

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एन0टी0ए0) के अध्यक्ष व संघ लोक सेवा आयोग (यू0पी0एस0सी0), नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ0) प्रदीप कुमार जोशी का आईएफटीएम विश्वविद्यालय परिसर में आगमन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में दिनांक 14.02.2024 (बुधवार) को आयोजित हो रहे अष्टम दीक्षान्त समारोह) में राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एन0टी0ए0) के अध्यक्ष व संघ लोक सेवा आयोग (यू0पी0एस0सी0), नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ0) प्रदीप कुमार जोशी बतौर मुख्य अतिथि स्वर्ण पदक और उपाधियों से युवाओं को अलंकृत करेंगे। समारोह के दौरान 77 मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं 53 शोधार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा। एजेंसी

13 FEB

आईएफटीएम में 'स्पर्श लेप्रोसी अवेयरनेस कैंपेन' विषय पर आयोजित हुआ सेमिनार

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय (स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल्स साइंसेस, फार्मेसी अकेडमी तथा साह ओंकार सरन स्कूल ऑफ फार्मेसी) द्वारा "स्पर्श लेप्रोसी अवेयरनेस कैंपेन" विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु अपनी शुभकामनाएं दीं तथा छात्र-छात्राओं के सम्मुख सरकार द्वारा चलाए जा रहे कुष्ठ रोग निवारण कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कुष्ठ रोग के प्रति जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान रिसोर्स पर्सन व नेशनल हेल्थ मिशन मुरादाबाद उत्तर प्रदेश के जिला कुष्ठ रोग परामर्शदाता डॉ. भास्कर अग्रवाल ने बताया कि कुष्ठ रोग में शरीर की त्वचा के साथ-साथ नसें प्रभावित होती हैं, परन्तु यह छूत का रोग नहीं है। डॉ. अग्रवाल ने यह भी जानकारी दी कि मुरादाबाद शहर में सरकारी अस्पतालों तथा जिला कुष्ठ रोग कार्यालयों पर कुष्ठ रोग का मल्टी ड्रग थेरेपी (एमडीटी) द्वारा निःशुल्क उपचार किया जा रहा है। फार्मेसी के डीन व प्रति कुलपति एवं सेमिनार के अध्यक्ष प्रो. नवनीत वर्मा ने कहा कि यह सेमिनार कुष्ठ रोग के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने में विशेष भूमिका निभाएगा। अधिष्ठाता छात्र कल्याण व साहू ओंकार सरन स्कूल ऑफ फार्मेसी के निदेशक एवं सेमिनार के संयोजक प्रो. अरुण कुमार मिश्र ने डॉ. अग्रवाल का स्वागत किया तथा कुष्ठ जागरूकता के संबन्ध में जिला अधिकारी मुरादाबाद का संदे श विद्यार्थियों को पढ़कर सुनाया। आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. प्रशांत उपाध्याय ने कहा कि स्पर्श कुष्ठ रोग जागरूकता अभियान का एकमात्र उद्देश्य देश को कुष्ठ रोग से मुक्त करना है, जिसमें विद्यार्थी अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल्स साइंसेस के निदेशक व आयोजन सचिव प्रो. सुशील कुमार ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि समाज में जागरूकता से इस रोग को समाप्त करने में सहयोग मिलेगा। कार्यक्रम का संचालन आयोजन समिति की समन्वयिका डॉ. श्वेता वर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में फार्मेसी संकाय के शिक्षक श्री त्रिभुवन कुमार वशिष्ठ, डॉ. दिवाकर शुक्ला, डॉ. शहबाज खान, श्री विजय शर्मा, श्री अलंकार श्रीवास्तव, सुश्री दीक्षा, श्री मुन्ना सिंह समेत समस्त फैकल्टी मेम्बर्स की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

खोया-पाया सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मकान मौहल्ला गोविन्दनगर, (मोरा सिहोरा गोविन्द) तहसील व जिला मुरादाबाद का पूर्व का असल विक्रय पत्र इकरारी-राजीव गुप्ता दिनांक 21.03.2016 बही सं.-01, जिल्द सं.-12503, पेज सं. 179/206 क्रमांक-4950 सब रजिस्ट्रार मुरादाबाद दिनांक 12.06.2023 को कहीं खो गया था। काफी तलाश करने पर भी नहीं मिला, कहीं कोई व्यक्ति उक्त बैनामे का गलत इस्तेमाल ना करें, मिलने पर सूचित करें। **अल्का गुप्ता पत्नी पीयूष गुप्ता** निवासी: गोविन्दनगर, थाना कटघर, मुरादाबाद। मो. 8923109366

न्यायालय श्रीमान सिविल जज (सी०डि०) महोदय, मुरादाबाद
उत्तरा, वि.वाद संख्या: 361/2023
तारीख पेशी: 22.02.2024
जगवीर सिंह बनाम जनता आम
जगवीर सिंह पुत्र स्व. श्री धर्म सिंह निवासी ग्राम मंगपुरा तहसील व जिला मुरादाबाद-**वादी।**
बनाम

13 FEB

आईएफटीएम में 'स्पर्श लेप्रोसी अवेयरनेस कैंपेन' विषय पर आयोजित हुआ सेमिनार

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय (स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल्स साइंसेस, फार्मेसी अकेडमी तथा साहू ओंकार सरन स्कूल ऑफ फार्मेसी) द्वारा "स्पर्श लेप्रोसी अवेयरनेस कैंपेन" विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु अपनी शुभकामनाएं दीं तथा छात्र-छात्राओं के सम्मुख सरकार द्वारा चलाए जा रहे कुष्ठ रोग निवारण कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कुष्ठ रोग के प्रति जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान रिसोर्स पर्सन व नेशनल हेल्थ मिशन मुरादाबाद उत्तर प्रदेश के जिला कुष्ठ रोग परामर्शदाता डॉ. भास्कर अग्रवाल ने बताया कि कुष्ठ रोग में शरीर की त्वचा के साथ-साथ नसें प्रभावित होती हैं, परन्तु यह छूत का रोग नहीं है। डॉ. अग्रवाल ने यह भी जानकारी दी कि मुरादाबाद शहर में सरकारी अस्पतालों तथा जिला कुष्ठ रोग कार्यालयों पर कुष्ठ रोग का मल्टी ड्रग थेरेपी (एमडीटी) द्वारा नि:शुल्क उपचार किया जा रहा है। फार्मेसी के डीन व प्रति कुलपति एवं सेमिनार के अध्यक्ष प्रो. नवनीत वर्मा ने कहा कि यह सेमिनार कुष्ठ रोग के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने में विशेष भूमिका निभाएगा। अधिष्ठाता छात्र कल्याण व साहू ओंकार सरन स्कूल ऑफ फार्मेसी के निदेशक एवं सेमिनार के संयोजक प्रो. अरुण कुमार मिश्र ने डॉ. अग्रवाल का स्वागत किया तथा कुष्ठ जागरूकता के संबन्ध में जिला अधिकारी मुरादाबाद का संदेश विद्यार्थियों को पढ़कर सुनाया। आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. प्रशांत उपाध्याय ने कहा कि स्पर्श कुष्ठ रोग जागरूकता अभियान का एकमात्र उद्देश्य देश को कुष्ठ रोग से मुक्त करना है, जिसमें विद्यार्थी अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में स्कूल ऑफ फार्मास्युटिकल्स साइंसेस के निदेशक व आयोजन सचिव प्रो. सुशील कुमार ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि समाज में जागरूकता से इस रोग को समाप्त करने में सहयोग मिलेगा। कार्यक्रम का संचालन आयोजन समिति की समन्वयिका डॉ. श्वेता वर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में फार्मेसी संकाय के शिक्षक श्री त्रिभुवन कुमार वशिष्ठ, डॉ. दिवाकर शुक्ला, डॉ. शहबाज खान, श्री विजय शर्मा, श्री अलंकार श्रीवास्तव, सुश्री दीक्षा, श्री मुन्ना सिंह समेत समस्त फैकेल्टी मेम्बर्स की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ रक्तदान शिविर

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय द्वारा जिला अस्पताल मुरादाबाद के ब्लड बैंक के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में स्थित डिस्पेंसरी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने रक्तदान शिविर का उद्घाटन फीता काट कर किया तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु अपनी शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है, इसलिए हम सभी को जनकल्याण हेतु अधिक से अधिक रक्तदान करना चाहिए। फार्मेसी के डीन व प्रतिकुलपति प्रो. नवनीत वर्मा ने बताया कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में मरीजों की सुरक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में फार्मासिस्ट तथा उनके योगदान अहम होते हैं। अधिष्ठाता छात्र कल्याण व ओंकार सरन स्कूल ऑफ फार्मेसी के निदेशक प्रो. अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि रक्तदान शिविर में विश्वविद्यालय के 16 प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ रक्तदान किया। इस मौके पर स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल्स साइंस के निदेशक डॉ. सुशील कुमार ने बताया कि रक्तदान करने से मानव शरीर पर कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता है। प्रो. प्रशांत उपाध्याय ने कहा कि फार्मेसी संकाय में नियमित रूप से रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिला अस्पताल मुरादाबाद की ब्लड बैंक की प्रभारी डॉ. शिल्पी अग्रवाल की देखरेख में रक्तदान शिविर संपन्न हुआ। इस दौरान रक्तदान करने वाले प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट भी प्रदान किए गए। शिविर के सफल आयोजन में आयोजन समिति के समन्वयक श्री त्रिभुवन कुमार वशिष्ठ, तथा फार्मेसी संकाय के शिक्षक डॉ. विजय शर्मा, डॉ. शहबाज खान, डॉ. श्वेता वर्मा, डॉ. दिवाकर शुक्ला, डॉ. आशीष गुप्ता, श्री अलंकार श्रीवास्तव, श्री मुन्ना सिंह, सुश्री दीक्षा, आदि का विशेष योगदान रहा।

खोया-पाया सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मकान मौहल्ला गोविन्दनगर, (मोरा सिहोरा गोविन्द) तहसील व जिला मुरादाबाद का पूर्व का असल विक्रय पत्र इकरारी-राजीव गुप्ता दिनांक 21.03.2016 बही सं.-01, जिल्द सं.-12503, पेज सं. 179/206 क्रमांक-4950 सब रजिस्ट्रार मुरादाबाद दिनांक 12.06.2023 को कहीं खो गया था। काफी तलाश करने पर भी नहीं मिला, कहीं कोई व्यक्ति उक्त बैनामे का गलत इस्तेमाल ना करें, मिलने पर सूचित करें। **अल्का गुप्ता पत्नी पीयूष गुप्ता** निवासी: गोविन्दनगर, थाना कटघर, मुरादाबाद। मो. 8923109366

न्यायालय श्रीमान सिविल जज (सी०डि०) महोदय, मुरादाबाद
उत्तरा, वि.वाद संख्या: 361/2023
तारीख पेशी: 22.02.2024
जगवीर सिंह बनाम जनता आम

जगवीर सिंह पुत्र स्व. श्री धर्म सिंह निवासी ग्राम मंगूपुरा तहसील व जिला मुरादाबाद-**वादी।**

बनाम

1. **जनता आम** 2. श्रीमति रेखा आयु 30 वर्ष पुत्री स्व. श्री धर्म सिंह पत्नी श्री संजीत सिंह निवासी ग्राम बरवाला मझरा तह. व जिला मुरादाबाद-**विपक्षीगण।**

इश्तहार मजरिया अदालत सिविल जज (सी.डि.) मुकाम मुरादाबाद दरख्वास्त मुसम्मा जगवीर सिंह हुसूल सार्टीफिकेट वसूल कर कर्जा व किफायत हाय वापसी मुसम्मा जगवीर सिंह मुसब्बा धर्म सिंह अपने मंजिब एक्ट 7 सन् 1887 ई. बकत रु.741329.96/- हरगाह मुसम्मा जगवीर सिंह ने दरख्वास्त हुसूल सार्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख 22 मास 02 सन् 2024 ई. वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है कि लिहाजा और इश्तहार जारी किया है कि जिस किसी को निस्बत दरख्वास्त उत्तराधिकार के उज्र हो या असालत या वकालतन बक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी.डि.) मुकाम मुरादाबाद में तारीख मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें।

दर सूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उन मिसी का सुना न और हुक्म मुनासिब निस्बत मजकूर दरख्वास्त के सादिर होगा।

प्रबंधक
न्यायालय सिविल जज (सी०डि०), मुरादाबाद।

13 FEB

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ रक्तदान शिविर

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय द्वारा जिला अस्पताल मुरादाबाद के ब्लड बैंक के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में स्थित डिस्पेंसरी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने रक्तदान शिविर का उद्घाटन फीता काट कर किया तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु अपनी शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है, इसलिए हम सभी को जनकल्याण हेतु अधिक से अधिक रक्तदान करना चाहिए। फार्मेसी के डीन व प्रतिकुलपति प्रो. नवनीत वर्मा ने बताया कि स्वास्थ्य के क्षेत्र मे मरीजों की सुरक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में फार्मासिस्ट तथा उनके योगदान अहम होते है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण व ओंकार सरन स्कूल

ऑफ फार्मेसी के निदेशक प्रो. अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि रक्तदान शिविर में विश्वविद्यालय के 16 प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ रक्तदान किया। इस मौके पर स्कूल ऑफ फार्मास्युटिकल्स साइंस के निदेशक डॉ. सुशील कुमार ने बताया कि रक्तदान करने से मानव शरीर पर कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता है। प्रो. प्रशांत उपाध्याय ने कहा कि फार्मेसी संकाय में नियमित रूप से रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

जिला अस्पताल मुरादाबाद की ब्लड बैंक की प्रभारी डॉ. शिल्पी अग्रवाल की देखरेख में रक्तदान शिविर संपन्न हुआ। इस दौरान रक्तदान करने वाले प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट भी प्रदान किए गए। शिविर के सफल आयोजन में आयोजन समिति के समन्वयक श्री त्रिभुवन कुमार वशिष्ठ, तथा फार्मेसी संकाय के शिक्षक डॉ. विजय शर्मा, डॉ. शहबाज खान, डॉ. श्वेता वर्मा, डॉ. दिवाकर शुक्ला, डॉ. आशीष गुप्ता, अलंकार श्रीवास्तव, श्री मुन्ना सिंह, दीक्षा, आदि का विशेष योगदान रहा। एजेंसी

13 FEB

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्पर्श लेप्रोसी अवेयरनेस कैंपेन विषय पर आयोजित हुआ सेमिनार

गुरु बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय (स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल्स साइंसेज, फार्मेसी अकेडमी तथा साहू ओंकार सरन स्कूल ऑफ फार्मेसी) द्वारा स्पर्श लेप्रोसी अवेयरनेस कैंपेन विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु अपनी शुभकामनाएं दीं तथा छात्र-छात्राओं के सम्मुख सरकार द्वारा चलाए जा रहे कुष्ठ रोग निवारण कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कुष्ठ रोग के प्रति जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान सिनेर्जी फार्मा व नेशनल हेल्थ मिशन मुरादाबाद उत्तर प्रदेश के जिला कुष्ठ रोग परामर्शदाता डॉ. भास्कर अग्रवाल ने बताया कि कुष्ठ रोग में शरीर की त्वचा के साथ-साथ नसें प्रभावित होती हैं, परन्तु यह छूत का रोग नहीं है। डॉ. अग्रवाल ने यह भी जानकारी दी कि मुरादाबाद शहर में सरकारी अस्पतालों तथा जिला कुष्ठ रोग कार्यालयों पर कुष्ठ रोग का मल्टी ड्रग थेरेपी (एमडीटी) द्वारा निःशुल्क उपचार किया जा रहा है। फार्मेसी के डीन व प्रति कुलपति एवं सेमिनार के अध्यक्ष प्रो. नवनीत वर्मा ने कहा कि यह सेमिनार कुष्ठ रोग के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने में विशेष भूमिका निभाएगा। अधिष्ठाता छात्र कल्याण व साहू ओंकार सरन स्कूल ऑफ फार्मेसी के निदेशक एवं सेमिनार के संयोजक प्रो. अरुण कुमार मिश्र ने डॉ. अग्रवाल का स्वागत किया तथा कुष्ठ जागरूकता के संबन्ध में जिला अधिकारी मुरादाबाद का संदेश विद्यार्थियों को पढ़कर सुनाया। आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. प्रशांत उपाध्याय ने कहा कि स्पर्श कुष्ठ रोग जागरूकता अभियान का एकमात्र उद्देश्य देश को कुष्ठ रोग से मुक्त करना है, जिसमें विद्यार्थी अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल्स साइंसेज के निदेशक व आयोजन सचिव प्रो. सुशील कुमार ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि समाज में जागरूकता से इस रोग को समाप्त करने में सहयोग मिलेगा। कार्यक्रम का संचालन आयोजन समिति की समन्वयिका डॉ. श्वेता वर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में फार्मेसी संकाय के शिक्षक त्रिभुवन कुमार दीक्षित, डॉ. दिवाकर शुक्ला, डॉ. शहबाज खान, विजय शर्मा, अलंकार श्रीवास्तव, सुश्री दीक्षा, मुन्ना सिंह समेत समस्त फैकल्टी मेम्बर्स की भूमिका महत्वपूर्ण रही। वि०

12 FEB

आईएफटीएम की पूर्व छात्रा कीर्ति सागर बनी डिप्टी जेलर

चांसलर राजीव कोठीवाल ने 51 हजार का चेक देकर किया सम्मानित

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के बी.टेक, सिविल इंजीनियरिंग विभाग की 2013-17 बैच की पास आउट पूर्व छात्रा सुश्री कीर्ति सागर ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश प्राविंसियल सिविल सेवा परीक्षा 2023 में 67वीं रैंक हासिल कर डिप्टी जेलर के पद पर चयनित हुई हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री राजीव कोठीवाल, कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय एवं कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने सुश्री सागर को एक समारोह के दौरान सम्मानित किया। कुलाधिपति श्री कोठीवाल ने सुश्री सागर को 51000 की धनराशि का चेक भी प्रदान किया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि समस्त विश्वविद्यालय परिवार को सुश्री सागर की सफलता पर

गर्व है। कुलपति प्रो. पाण्डेय ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान की पहचान वहां अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों से होती है तथा सुश्री सागर की सफलता से पूरा विश्वविद्यालय परिवार अत्यंत प्रसन्न है। कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने बताया कि विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि सुश्री सागर की सफलता से अन्य विद्यार्थी भी प्रेरणा ले सकेंगे। प्रतिकुलपति-एकेडेमिक्स एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी ने स्वागत समारोह का संचालन करते हुए कहा कि सुश्री सागर इस उपलब्धि से सिर्फ विश्वविद्यालय का ही नहीं, बल्कि उन्होंने अपने परिवारजनों और अपने जनपद का भी नाम रोशन किया है। रामपुर जिले के शाहबाद की रहने वाली सुश्री सागर ने तीसरे प्रयास में यह सफलता हासिल की है। सुश्री सागर इस सफलता का श्रेय अपनी माता श्रीमती गीता, आईएफटीएम विश्वविद्यालय के शिक्षकों और यहां के भव्य पुस्तकालय को देती हैं। उन्होंने बताया कि जब वह 6 वर्ष की थीं तभी पिता सुभाष सिंह का देहांत हो गया। उसके बाद अपनी मां से जीवन में सफल होने की प्रेरणा ली। उन्होंने बताया कि मेरी मां का सपना था कि मैं अधिकारी बनकर उनके सपने को पूरा करूं। उन्होंने इस सफलता के लिए अपने मित्रों से भी सहायता ली। उन्होंने कहा कि लिखित और मौखिक परीक्षाओं में ह्याद हिंदूह्व सहित कई हिंदी समाचार पत्र बेहद सहायक रहे। उन्होंने कहा कि साक्षात्कार के दौरान वे बेहद नर्वस थीं, लेकिन उस समय गीता में वर्णित श्री कृष्ण द्वारा अर्जुन को दिया उपदेश बेहद काम आया। उन्होंने कहा कि बी.टेक, सिविल इंजीनियरिंग के इंजीनियर बनना उनका प्लान बी था, लेकिन सिविल सर्विसेज की परीक्षा पास करना प्लान ए में शामिल था। उन्होंने कहा कि इस सफलता के लिए प्रतिदिन 12 घंटे स्वाध्याय करती थीं। उनके परिवार में उनकी मां श्रीमती गीता और छोटी बहन संजना हैं। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. मनोज कुमार तथा स्टाफ के सभी शिक्षकों और कर्मचारियों ने भी सुश्री सागर को बधाई दी है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. अनुज श्रीवास्तव, वित्त अधिकारी डॉ. कुशलपाल सिंह सहित प्रतिकुलपति प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति प्रो. नवनीत वर्मा, विभिन्न स्कूलों के निदेशक, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्रा, आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. आर.के. यादव समेत कई शिक्षक व भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

12 FEB

अमर उजाला

amarujala.com

मुरादाबाद | सोमवार, 12 फरवरी 2024

7

आईएफटीएम की पूर्व छात्रा कीर्ति सागर बनीं डिप्टी जेलर

कीर्ति को चेक देकर सम्मानित करते कुलाधिपति व अन्य । स्रोत : कॉलेज

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की पूर्व छात्रा कीर्ति सागर डिप्टी जेलर बनायी गई है। कुलाधिपति राजीव कोठीवाल ने 51 हजार का चेक प्रदान कर छात्रा को सम्मानित किया है।

बीटेक सिविल इंजीनियरिंग विभाग की 2013-17 बैच की पास आउट पूर्व छात्रा कीर्ति सागर ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रादेशिक सिविल सेवा परीक्षा 2023 में 67वीं रैंक हासिल कर डिप्टी जेलर के पद पर चयनित हुई है। इस अवसर पर विवि के कुलाधिपति राजीव कोठीवाल, कुलपति प्रो. महेंद्र प्रसाद पांडेय एवं कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कीर्ति को एक समारोह के दौरान सम्मानित किया। ब्यूरो

12 FEB

4 दैनिक जागरण मुरादाबाद, 12 फरवरी, 2024

डिप्टी जेलर पद के लिए चयनित कीर्ति सागर को 51 हजार रुपये का चेक प्रदान करते कुलाधिपति राजीव कोठीवाल • सौ. विश्वविद्यालय

डिप्टी जेलर पद पर चयनित कीर्ति सागर को किया सम्मानित

जासं, मुरादाबाद : आइएफटीएम विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा को यूपीपीएससी परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर सम्मानित किया गया। स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के बीटेक, सिविल इंजीनियरिंग विभाग की 2013-17 बैच की पास आउट पूर्व छात्रा कीर्ति सागर उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित परीक्षा-2023 में 67वीं रैंक हासिल कर डिप्टी जेलर के पद पर चयनित हुई हैं।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति राजीव कोठीवाल ने कीर्ति सागर को 51,000 रुपये का चेक प्रदान किया। कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पांडेय ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने बताया कि विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। प्रतिकुलपति-एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी ने पूर्व छात्रा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कीर्ति सागर ने बताया कि जब वह छह वर्ष की थीं, तभी पिता सुभाष सिंह का देहांत हो गया। उसके बाद अपनी मां से जीवन में सफल होने की प्रेरणा ली। उन्होंने बताया कि मेरी मां का सपना था कि मैं अधिकारी बनकर उनके सपने को पूरा करूं। स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के निदेशक प्रो. मनोज कुमार तथा स्टाफ के सभी शिक्षकों और कर्मचारियों ने बधाई दी।

10 FEB

आईएफटीएम की पूर्व छात्रा कीर्ति सागर बनी डिप्टी जेलर

● कुलाधिपति राजीव कोठीवाल ने 51000 का चेक प्रदान कर किया सम्मानित

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजी. नियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के बी.टेक, सिविल इंजीनियरिंग विभाग की 2013-17 बैच की पास आउट पूर्व छात्रा सुश्री कीर्ति सागर ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश प्राविंसियल सिविल सेवा परीक्षा 2023 में 67वीं रैंक हासिल कर डिप्टी जेलर के पद पर चयनित हुई हैं। इस अवसर पर विश्व विद्यालय के कुलाधिपति श्री राजीव कोठीवाल, कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय एवं कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने सुश्री सागर को एक समारोह के दौरान सम्मानित किया। कुलाधिपति श्री कोठीवाल ने सुश्री सागर को रू0 51000/- की धनराशि का चेक भी प्रदान किया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि समस्त विश्वविद्यालय परिवार को सुश्री सागर की सफलता पर गर्व है। कुलपति प्रो. पाण्डेय ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान की पहचान वहां अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों से होती है तथा सुश्री सागर की सफलता से पूरा विश्व. विद्यालय परिवार अत्यंत प्रसन्न है। कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने बताया कि विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के

लिए हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि सुश्री सागर की सफलता से अन्य विद्यार्थी भी प्रेरणा ले सकेंगे। प्रतिकुलपति-एकेडेमिक्स एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी ने स्वागत समारोह का संचालन करते हुए कहा कि सुश्री सागर इस उपलब्धि से सिर्फ विश्व. विद्यालय का ही नहीं, बल्कि उन्होंने अपने परिवारजनों और अपने जनपद का भी नाम रोशन किया है। रामपुर जिले के शाहबाद की रहने वाली सुश्री सागर ने तीसरे प्रयास में यह सफलता हासिल की है। सुश्री सागर इस सफलता का श्रेय अपनी माता श्रीमती गीता, आईएफटीएम विश्व. विद्यालय के शिक्षकों और यहां के भव्य पुस्तकालय को देती हैं। उन्होंने बताया कि जब वह 6 वर्ष की थीं तभी पिता सुभाष सिंह का देहांत हो गया। उसके बाद अपनी मां से जीवन में सफल होने की प्रेरणा ली। उन्होंने बताया कि मेरी मां का सपना था कि मैं अधिकारी बनकर उनके सपने को पूरा करूं। उन्होंने इस सफलता के लिए अपने मित्रों से भी सहायता ली। उन्होंने कहा कि लिखित और मौखिक परीक्षाओं में 'द हिंदू' सहित कई हिंदी समाचार पत्र बेहद सहायक रहे। उन्होंने कहा कि साक्षात्कार के दौरान वे बेहद नर्वस थीं, लेकिन उस समय गीता में वर्णित श्री कृष्ण द्वारा अर्जुन को दिया उपदेश बेहद काम आया। उन्होंने कहा कि बी.टेक, सिविल इंजीनियरिंग करके इंजी. नियर बनना उनका प्लान बी था, लेकिन सिविल सर्विसेज की परीक्षा पास करना प्लान ए में शामिल था। उन्होंने कहा कि इस सफलता के लिए प्रतिदिन 12 घंटे स्वाध्याय करती थीं। उनके परिवार में उनकी मां श्रीमती गीता और छोटी बहन संजना हैं। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. मनोज कुमार तथा स्टाफ के सभी शिक्षकों और कर्मचारियों ने भी सुश्री सागर को बधाई दी है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. अनुज श्रीवास्तव, वित्त अधिकारी डॉ. कुशलपाल सिंह सहित प्रतिकुलपति प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति प्रो. नवनीत वर्मा, विभिन्न स्कूलों के निदेशक, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्रा, आईक्यूएसी के निद. शक प्रो. आर.के. यादव समेत कई शिक्षक व भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

10 FEB

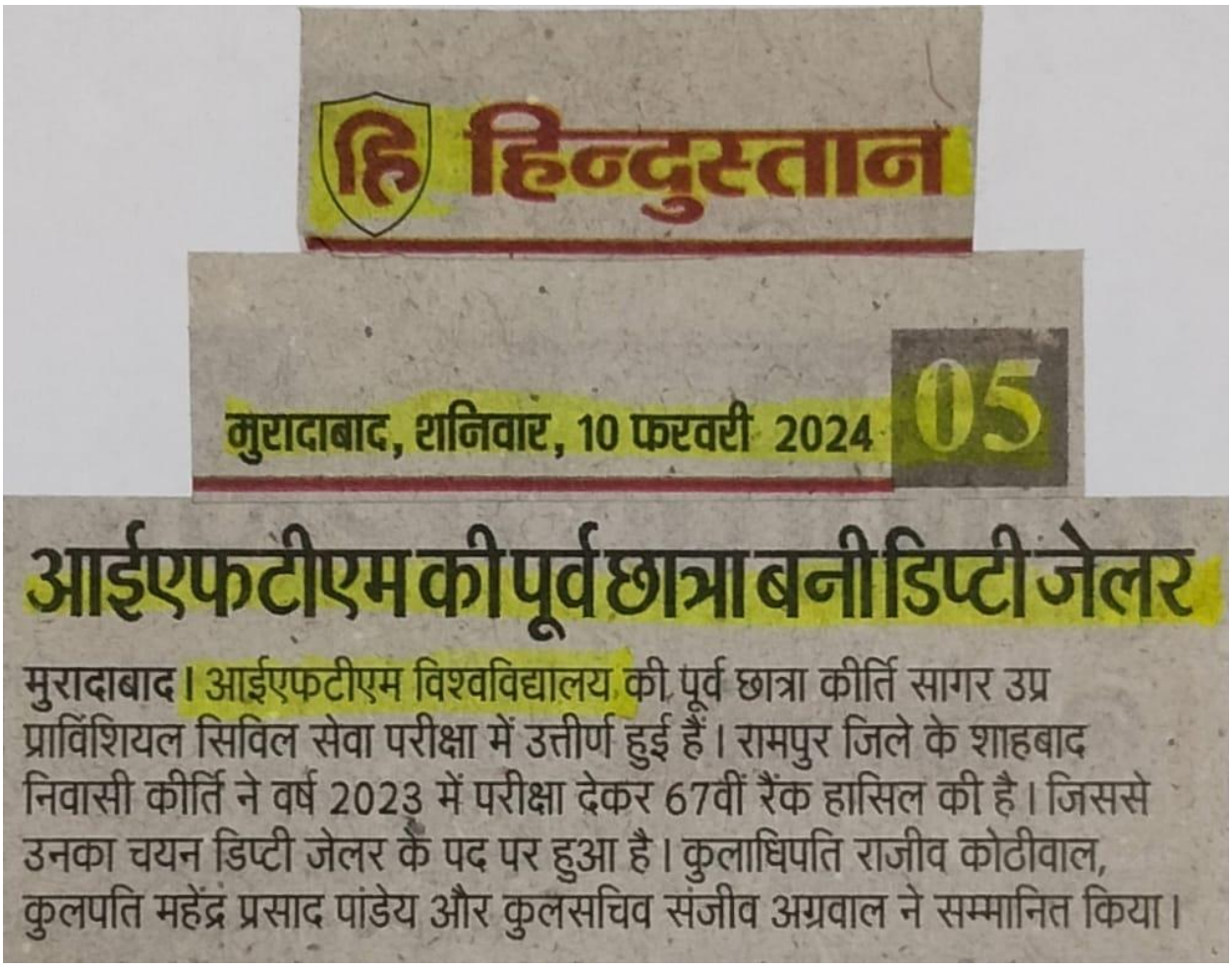

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, शनिवार, 10 फरवरी 2024 05

आईएफटीएम की पूर्व छात्रा बनी डिप्टी जेलर

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा कीर्ति सागर उप्र प्राविंशियल सिविल सेवा परीक्षा में उत्तीर्ण हुई हैं। रामपुर जिले के शाहबाद निवासी कीर्ति ने वर्ष 2023 में परीक्षा देकर 67वीं रैंक हासिल की है। जिससे उनका चयन डिप्टी जेलर के पद पर हुआ है। कुलाधिपति राजीव कोठीवाल, कुलपति महेंद्र प्रसाद पांडेय और कुलसचिव संजीव अग्रवाल ने सम्मानित किया।

10 FEB

आईएफटीएम विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा कीर्ति सागर बनी डिप्टी जेलर

कुलाधिपति श्री राजीव कोठीवाल ने 51000 का चेक प्रदान कर किया सम्मानित

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के बी.टेक, सिविल इंजीनियरिंग विभाग की 2013-17 बैच की पास आउट पूर्व छात्रा सुश्री कीर्ति सागर ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश प्राविंसियल सिविल सेवा परीक्षा 2023 में 67वीं रैंक हासिल कर डिप्टी जेलर के पद पर चयनित हुई हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री राजीव कोठीवाल, कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय एवं कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने सुश्री सागर को एक समारोह के दौरान सम्मानित किया। कुलाधिपति श्री कोठीवाल ने सुश्री सागर को रू0 51000६ की धनराशि का चेक भी प्रदान किया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि समस्त विश्वविद्यालय परिवार को सुश्री सागर की सफलता पर गर्व है। कुलपति प्रो. पाण्डेय ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान की पहचान वहां अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों से होती है तथा सुश्री सागर की सफलता से पूरा विश्वविद्यालय परिवार अत्यंत प्रसन्न है। कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने बताया कि विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि सुश्री सागर

की सफलता से अन्य विद्यार्थी भी प्रेरणा ले सकेंगे। प्रतिकुलपति-एकेडेमिक्स एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी ने स्वागत समारोह का संचालन करते हुए कहा कि सुश्री सागर इस उपलब्धि से सिर्फ विश्वविद्यालय का ही नहीं, बल्कि उन्होंने अपने परिवारजनों और अपने जनपद का भी नाम रोशन किया है। रामपुर जिले के शाहबाद की रहने वाली सुश्री सागर ने तीसरे प्रयास में यह सफलता हासिल की है। सुश्री सागर इस सफलता का श्रेय अपनी माता श्रीमती गीता, आईएफटीएम विश्वविद्यालय के शिक्षकों और यहां के भव्य पुस्तकालय को देती हैं। उन्होंने बताया कि जब वह 6 वर्ष की थीं तभी पिता सुभाष सिंह का देहांत हो गया। उसके बाद अपनी मां से जीवन में सफल होने की प्रेरणा ली। उन्होंने बताया कि मेरी मां का सपना था कि मैं अधिकारी बनकर उनके सपने को पूरा करूं। उन्होंने इस सफलता के लिए अपने मित्रों से भी सहायता ली। उन्होंने कहा कि लिखित और मौखिक परीक्षाओं में ह्यद हिंदूह्न सहित कई हिंदी समाचार पत्र बेहद सहायक रहे। उन्होंने कहा कि साक्षात्कार के दौरान वे बेहद नर्वस थीं, लेकिन उस समय गीता में वर्णित श्री कृष्ण द्वारा अर्जुन को दिया उपदेश बेहद काम आया। उन्होंने कहा कि बी.टेक, सिविल इंजीनियरिंग करके इंजीनियर बनना उनका प्लान बी था, लेकिन सिविल सर्विसेज की परीक्षा पास करना प्लान ए में शामिल था। उन्होंने कहा कि इस सफलता के लिए प्रतिदिन 12 घंटे स्वाध्याय करती थीं। उनके परिवार में उनकी मां श्रीमती गीता और छोटी बहन संजना हैं। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. मनोज कुमार तथा स्टाफ के सभी शिक्षकों और कर्मचारियों ने भी सुश्री सागर को बधाई दी है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. अनुज श्रीवास्तव, वित्त अधिकारी डॉ. कुशलपाल सिंह सहित प्रतिकुलपति प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति प्रो. नवनीत वर्मा, विभिन्न स्कूलों के निदेशक, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्रा, आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. आर.के. यादव समेत कई शिक्षक व भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। एजेंसी

9 FEB

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हुआ राज्य स्तरीय कृषक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में ह्यह्यसब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (एसएमएई)हह्ह योजना के अंतर्गत राज्य स्तरीय कृषक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बिलासपुर, रामपुर एवं मिलक से आए 40 से अधिक किसान शामिल रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसिज एवं इंजीनियरिंग के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने आगंतुक किसानों का स्वागत किया। डॉ. सिंह ने किसानों को विश्वविद्यालय में हो रहे विभिन्न अनुसंधान कार्यक्रमों को विस्तार से समझाया। मुख्य रूप से उन्होंने गेहूं की उन्नत फसलों के प्रदर्शन एवं उनके उन्नत बीजों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। डॉ. सिंह ने किसान भाईयों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान प्रक्षेत्र में उगाई गई कृषि फसलों एवं सब्जियों के स्थलों का भ्रमण भी कराया एवं उनके बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी भी दी। इस दौरान असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सत्यभान सिंह ने किसानों को गेहूं की उन्नत प्रजातियां में डीबीडब्ल्यू 327 प्रजाति की विशेष रूप से सराहना की। इसके अलावा डॉ. आदित्य नारायण चैबे ने मधुमक्खी पालन, मछली पालन, मशरूम उत्पादन एवं वर्मी कंपोस्ट उत्पादन के बारे में बताया।

इस मौके पर कृषि विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश पाल ने आगंतुक किसानों एवं कृषि अधिकारियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे कई अन्य कृषि सम्बन्धित कार्यक्रमों से किसानों को अवगत कराने के साथ ही विश्वविद्यालय के इन कार्यक्रमों का लाभ उठाने हेतु उन्हें आश्वस्त भी किया। भ्रमण के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशक, कई शिक्षक तथा भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।वि0

9 FEB

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हुआ राज्य स्तरीय कृषक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में ''सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (एसएमएई)'' योजना के अंतर्गत राज्य स्तरीय कृषक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बिलासपुर, रामपुर एवं मिलक से आए 40 से अधिक किसान शामिल रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसिज एवं इंजी. नियरिंग के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने आगंतुक किसानों का स्वागत किया। डॉ. सिंह ने किसानों को विश्वविद्यालय में हो रहे विभिन्न अनुसंधान कार्यक्रमों को विस्तार से समझाया। मुख्य रूप से उन्होंने गेहूं की उन्नत फसलों के प्रदर्शन एवं उनके उन्नत बीजों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। डॉ. सिंह ने किसान भाईयों को विश्वविद्यालय के

अनुसंधान प्रक्षेत्र में उगाई गई कृषि फसलों एवं सब्जियों के स्थलों का भ्रमण भी कराया एवं उनके बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी भी दी। इस दौरान असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सत्यभान सिंह ने किसानों को गेहूं की उन्नत प्रजातियां में डीबीडब्ल्यू 327 प्रजाति की विशेष रूप से सराहना की। इसके अलावा डॉ. आदित्य नारायण चौबे ने मधुमक्खी पालन, मछली पालन, मशरूम उत्पादन एवं वर्मी कंपोस्ट उत्पादन के बारे में बताया। इस मौके पर कृषि विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश पाल ने आगंतुक किसानों एवं कृषि अधिकारियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे कई अन्य कृषि सम्बन्धित कार्यक्रमों से किसानों को अवगत कराने के साथ ही विश्वविद्यालय के इन कार्यक्रमों का लाभ उठाने हेतु उन्हें आश्वस्त भी किया। भ्रमण के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशक, कई शिक्षक तथा भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

9 FEB

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, शुक्रवार, 9 फरवरी 2024 05

गेहूं की उन्नत फसलों के बारे में दी जानकारी

मुरादाबाद। आईएफटीएम विवि में सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (एसएमएई) योजना के अंतर्गत राज्य स्तरीय कृषक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें बिलासपुर, रामपुर एवं मिलक से आए 40 से अधिक किसान शामिल रहे। स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसिज एवं इंजीनियरिंग के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने किसानों का स्वागत किया।